बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) में एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 07 जून 2026 | दिन - रविवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 130 | मूल्य - 5 रुपये

बेटा, तुमसे ना हो पायेगा, कितनी बार आएगी पेपर लीक वाली सरकार?

ऐसे नारों की तख्तियां लेकर दिल्ली में शिक्षा मंत्री के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी ने किया प्रदर्शन..

जंतर मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन कर अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा..

नई दिल्ली।

अभिजीत दीपके के नेतृत्व में शनिवार को जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने चेतावनी दी कि यदि मंत्री को बर्खास्त नहीं किया गया या वे स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं देते हैं तो आंदोलन पूरे देश

में फैल जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के कार्यकर्ता तख्तियां लेकर पहुंचे थे, जिस पर शिक्षा मंत्री की फोटो के साथ लिखा था बेटा, तुमसे ना हो पायेगा। कितनी बार आएगी पेपर लीक वाली सरकार? सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरभ दास ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस विरोध प्रदर्शन में कई राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया और यह शिक्षा और शासन के मुद्दों पर केंद्रित एक व्यापक युवा आंदोलन की शुरुआत का प्रतीक है। मई में एक ऑनलाइन अभियान के रूप में शुरू हुई सीजेपी ने युवाओं से परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का आग्रह किया था, जो शक्ति प्रदर्शन का एक स्पष्ट तरीका था। सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2.2 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं। रांका ने कहा, हम सरकार को सात दिन का समय दे रहे हैं। या तो धर्मेंद्र प्रधान सम्मानपूर्वक इस्तीफा दे दें, या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें बर्खास्त कर दें। अगर सात दिनों के भीतर उनका इस्तीफा नहीं आता है, तो यह आंदोलन पूरे देश में फैल जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजकों को विभिन्न राज्यों में समर्थकों से संदेश मिल रहे हैं जिनमें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का इरादा व्यक्त किया गया है, और दावा किया कि समूह अपनी अगली कार्रवाई की घोषणा करने से पहले एक सप्ताह तक इंतजार करेगा। शनिवार को एकत्र भीड़ को एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए, रांका ने कहा कि विरोध प्रदर्शन ने यह प्रदर्शित किया कि युवा लोग उन मुद्दों के इर्द-गिर्द एकजुट होने को तैयार हैं जो उन्हें प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा, 6 जून, 2026 का दिन इतिहास में दर्ज होगा क्योंकि आज इस देश की राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। उन्होंने कहा कि कई युवा, जिन्हें अक्सर सड़कों पर उतरने से हतोत्साहित किया जाता था, एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए एक साथ आए थे। आयोजकों ने बार-बार इस विरोध प्रदर्शन को युवाओं के नेतृत्व वाले अभियान के रूप में पेश किया और इसे शिक्षा प्रणाली से जुड़ी चिंताओं के जवाब के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की। रांका ने कहा, हमारे शिक्षा तंत्र को फिर से व्यवस्थित करने का समय आ गया है, और हमने आज से यह व्यवस्था शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रधान के इस्तीफे की मांग इस आंदोलन का तात्कालिक केंद्र बिंदु है। उनके अनुसार, सार्थक सुधार लाने के लिए शिक्षा मंत्री को हटाना आवश्यक था। उन्होंने कहा, जब तक यह शिक्षा मंत्री पद पर हैं, हम देश की शिक्षा प्रणाली में सुधार नहीं कर पाएंगे। रांका ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि इस्तीफे की मांग सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि अभियान इस मुद्दे से आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा, यह तो बस शुरुआत है। इस देश के युवाओं की अनगिनत समस्याएं हैं। उन्होंने तर्क दिया कि शिक्षा से संबंधित चिंताओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस लामबंदी को विरोध, आंदोलन या राजनीतिक मंच के रूप में देखा जाना चाहिए, तो रांका ने इसे युवाओं के लिए एक मंच, युवाओं के लिए एक समूह और युवाओं के लिए एक आंदोलन के रूप में वर्णित किया, जबकि भविष्य में इसके संभावित विकास को लेकर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। आयोजकों ने इस सुझाव को भी खारिज कर दिया कि यह आंदोलन किसी स्थापित राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ है और उन्होंने संगठन को युवा समर्थक, शिक्षा समर्थक, संविधान समर्थक और भारत समर्थक बताया। रांका ने दावा किया कि उपस्थिति उम्मीद से कहीं अधिक थी और इस बात पर जोर दिया कि भीड़ के बावजूद सभा शांतिपूर्ण रही। उन्होंने कहा, वहां इतनी बड़ी भीड़ थी, फिर भी यह एक बेहद शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन रहा। शायद यह देश में हाल के सबसे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में से एक था। उन्होंने कहा, इस देश की पीढ़ी और युवाओं के खून में गांधी और आंबेडकर बसे हुए हैं। सौरभ दास ने कहा कि तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, बिहार, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर सहित कई राज्यों के लोग इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। उन्होंने अभियान के लिए ऑनलाइन समर्थन का भी जिक्र किया और दावा किया कि लाखों लोगों ने मंत्री के इस्तीफे की मांग वाली याचिकाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे प्रधान को कोई ज्ञापन भेजेंगे या उनसे मिलने का अनुरोध करेंगे, तो रांका ने कहा, वह खुद इस्तीफा क्यों नहीं दे देते?

विश्व योगासन चैंपियनशिप में गोंदिया की दिव्या भोजवानी ने जीता स्वर्ण पदक..

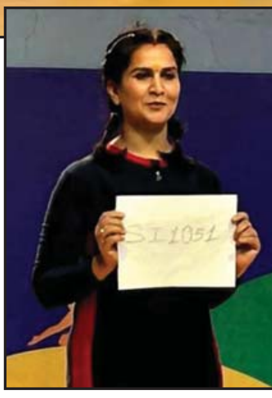

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया की प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक दिव्या नितिन भोजवानी ने आज 06 जून को अहमदाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रथम योगासन चैम्पियनशीप में गोल्ड मेडल (स्वर्ण पदक) प्राप्त कर पुरे विश्व में भारत का लोहा मनवाते हुए गोंदिया का गौरव बढ़ाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अहमदाबाद (गुजरात) स्थित एका एरिना में आयोजित विश्व योगासन चैम्पियनशीप में दिव्या भोजवानी ने 45 से 55 वर्ष आयु वर्ग की मास्टर्स श्रेणी में 35.42 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, और उन्होंने रोमानिया और न्यूजीलैंड के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक को भारत को दिलाते हुए योगासन में भारत का डंका बजाया है। इस श्रेणी में रोमानिया की प्रतिभागी दूसरे तथा न्यूजीलैंड की प्रतिभागी तीसरे स्थान पर रहीं। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में न्यूजीलैंड, रोमानिया, नीदरलैंड्स, ओमान, उज्बेकिस्तान, अमेरिका, बोत्सवाना, इटली, सेशेल्स सहित 70 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस विश्वस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन योगासन भारत, वर्ल्ड योगासन तथा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया। दिव्ययोग फाउंडेशन, गोंदिया जिला योग संघ, योगासन भारत के सचिव डॉ. जयदीप आर्य, डॉ. संजय मालपानी, डॉ. आनंद बालयोगी, डॉ. आरती पाल, डॉ. सी. वी. जयंती, रोहित कौशिक सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने दिव्या भोजवानी को उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी है।

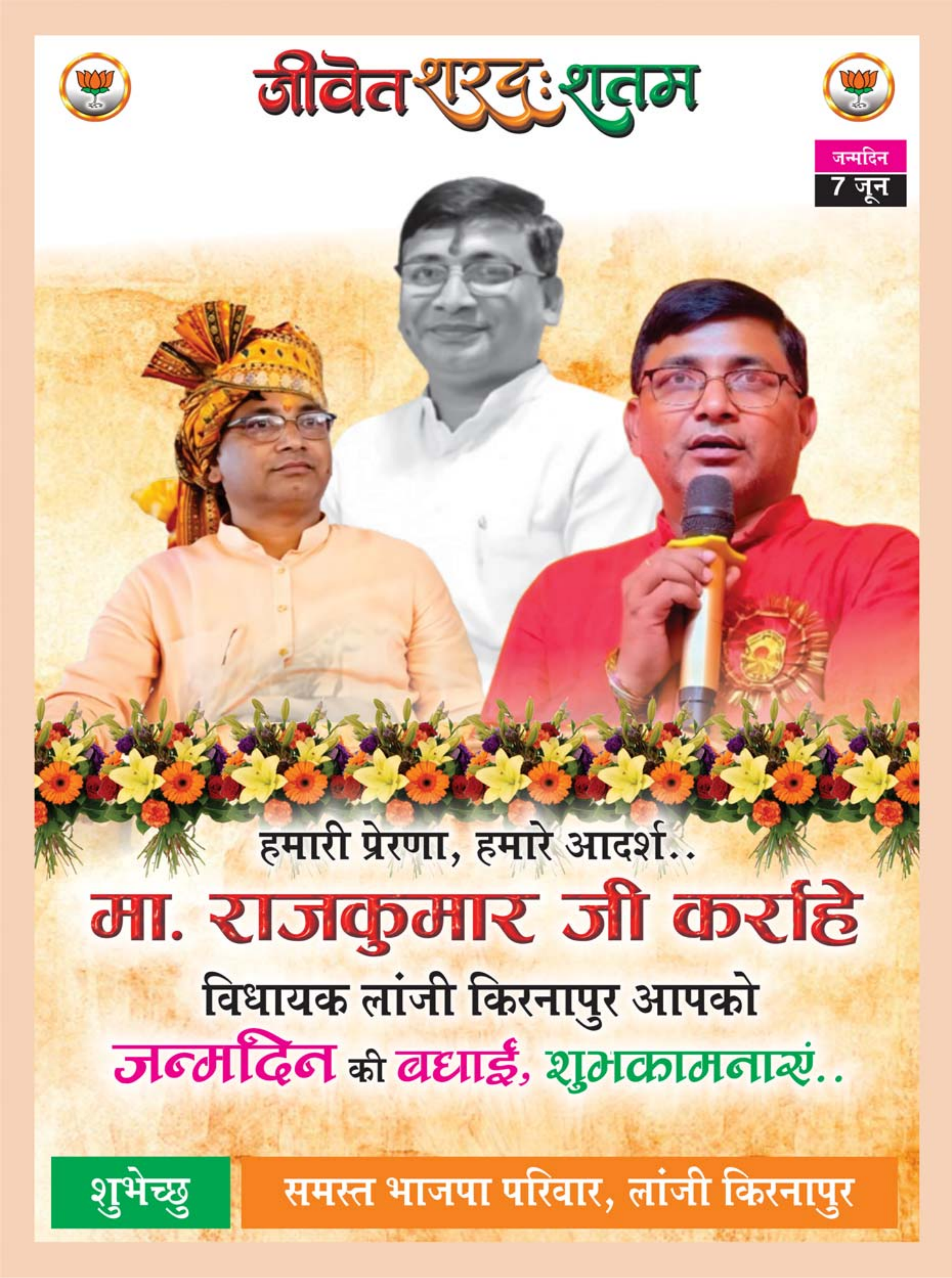

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के महावीर कालोनी में स्थित अनाज फर्म ऑफिस मीरा ट्रेडर्स में कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड वर्कर, रिसेप्शनिष्ट एवं पर्सनल असिस्टेंट के पद पर कार्य के लिये युवक युवतियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन एवं सुविधाएं भी..।
संपर्क करें..
मनोज सचदेव
मो. 9425822975

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में, संपर्क करें..
मो. 9329033433

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

खाद किल्लत और बढ़ती महंगाई के खिलाफ धनौरा में गोंगपा का विशाल धरना प्रदर्शन..

3 दिन में समाधान न होने पर 9 जून को उग्र आंदोलन की चेतावनी..

बलजीत सिंह, जगप्रेरणा धनौरा।

क्षेत्र के किसानों की ज्वलंत समस्याओं, यूरिया-डीएपी खाद की भारी किल्लत, ई-टोकन व्यवस्था में धांधली और बढ़ती पेट्रोल-डीजल की महंगाई के खिलाफ

आज शनिवार को धनौरा मुख्यालय में बड़ा जनआक्रोश देखने को मिला। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) ब्लॉक धनौरा एवं किसान संघ विकास खंड धनौरा के तत्वाधान में स्थानीय रानी दुर्गावती चौक (ग्राम पंचायत भवन के पास) एक दिवसीय विशाल किसान आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान महामहिम राज्यपाल, माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार की मांग की गई।

पोर्टल की खामियों और ब्लैक मार्केटिंग से परेशान हैं अन्नदाता..

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि खरीफ सीजन की बोनी सिर पर है, लेकिन किसानों को यूरिया और डीएपी खाद नहीं मिल पा रही है। पर्याप्त स्टॉक न होने से ऑनलाइन ई-टोकन जनरेट नहीं हो रहे हैं, जिसके कारण किसानों को अपने जरूरी काम छोड़कर प्रतिदिन धनौरा के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इसके साथ ही फार्मर आईडी पोर्टल में खसरा नंबर दर्ज न होने और पूर्ण केवाईसी के बावजूद तकनीकी त्रुटियां दिखाने से किसान परेशान हैं। नेताओं ने आरोप लगाया कि निजी कृषि केंद्रों द्वारा निर्धारित मूल्य से दोगुने दामों पर खाद बेचकर कालाबाजारी की जा रही है, जिस पर प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर पेट्रोल-डीजल की बढ़ती महंगाई ने किसानों की कमर तोड़कर रख दी है।

प्रशासन को 3 दिन का अल्टीमेटम, 9 जून को होगा 'किसान आक्रोश रोड शो'

आंदोलन के दौरान गोंगपा और किसान संघ ने सरकार व स्थानीय प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि किसानों की इन सभी समस्याओं का निवारण आगामी 3 दिनों के भीतर नहीं किया जाता है, तो आगामी 9 जून 2026 को क्षेत्र के समस्त किसानों की उपस्थिति में एक विशाल 'किसान आक्रोश रोड शो प्रदर्शन' और उग्र चक्काजाम आंदोलन किया जाएगा। आंदोलनकारियों ने साफ कहा कि यदि 3 दिन में मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 9 तारीख को होने वाले उग्र प्रदर्शन की संपूर्ण जिम्मेदारी मध्य प्रदेश शासन और स्थानीय प्रशासन की होगी।

वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में उमड़ा जनसैलाब..

इस विशाल धरने में मुख्य अतिथि के रूप में तिरू. रामगुलाम उइके (पूर्व विधायक घंसौर), तिरू. प्रेमशाह सल्लाम (प्रांतीय धर्माचार्य), तिरू. घूरसिंह सल्लाम (जिला पंचायत सदस्य) और तिरू. गुलाब सिंह भलावी (अध्यक्ष जनपद पंचायत धनौरा) उपस्थित रहे। आंदोलन का सफ्ल नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष तिरू. प्रेमसिंह सल्लाम, उपाध्यक्ष तिरू. राजेन्द्र परते, संरक्षकगण तिरू. अर्जुन सिंह उइके, तिरू. हरिश्चंद्र उइके, तिरू. जहान सिंह मर्सकाले, सचिव तिरू. खेरसिंह कुमरे और कोषाध्यक्ष तिरू. बसंत कुमरे ने किया। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों किसान बंधु, युवा साथी और मजदूर संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संघर्ष से सफलता तक: व्हीलचेयर पर बैठकर विजय बघेल ने रचा इतिहास

सिवनी के विजय बघेल बने सहकारिता निरीक्षक..

जगप्रेरणा सिवनी।

कहते हैं कि यदि इरादे मजबूत हों तो परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मंज़िल तक पहुंचने से नहीं रोक सकतीं। इस कहावत को सच कर दिखाया है सिवनी जिले के छोटे से गांव लुघरवाड़ा के निवासी

विजय बघेल ने, जिनका चयन मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग **(MPPSC) 2023** के माध्यम से सहकारिता निरीक्षक **(Cooperative Inspector)** पद पर हुआ है।

32 वर्षीय विजय बघेल, राज्जन सिंह बघेल के पुत्र हैं। बचपन में वे एक सामान्य एवं मेधावी विद्यार्थी थे, लेकिन कक्षा तीसरी के बाद एक गंभीर बीमारी ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। धीरे-धीरे उनके शरीर में अनेक शारीरिक दिव्यांगताएँ विकसित होने लगीं। यह वह दौर था जब अधिकांश लोग अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं, लेकिन विजय ने हार मानने के बजाय संघर्ष को ही अपनी ताकत बना लिया।

बीमारी और शारीरिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कक्षा पाँचवीं में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और जवाहर नवोदय विद्यालय, कान्हीवाड़ा में प्रवेश प्राप्त किया। यह उनकी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का पहला बड़ा प्रमाण था। समय के साथ उनकी शारीरिक स्थिति और कठिन होती गई। कक्षा दसवीं तक आते-आते उन्हें व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ा। लेकिन व्हीलचेयर उनकी गति को रोक नहीं सकी। उन्होंने नवोदय विद्यालय से दसवीं की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ग्राम जीरावारा से उच्च माध्यमिक एवं स्नातक की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के दौरान स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ, आने-जाने की कठिनाइयाँ, संसाधनों की कमी और सामाजिक चुनौतियाँ लगातार उनके सामने खड़ी रहीं, लेकिन उन्होंने हर बाधा को अपने हौसले के आगे छोटा साबित कर दिया।

विजय की सफलता के पीछे उनके परिवार का अटूट विश्वास और उनका स्वयं का अथक परिश्रम रहा। उन्होंने अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी स्व-अध्ययन **(Self Study)** के माध्यम से की। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच उन्होंने अपने लक्ष्य पर फोकस बनाए रखा। इंटरव्यू की तैयारी के लिए उन्होंने कुछ संस्थानों से मार्गदर्शन लिया, लेकिन उनकी असली ताकत उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और कभी हार न मानने वाली सोच रही।

आज उनका चयन केवल एक सरकारी पद प्राप्त करने की कहानी नहीं है, बल्कि यह उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो किसी न किसी कठिनाई, अभाव या असफलता से जूझ रहे हैं। विजय ने साबित कर दिया कि सफलता शरीर की ताकत से नहीं, बल्कि मन की दृढ़ता और निरंतर प्रयासों से हासिल होती है।

अपनी सफलता का श्रेय परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों को देते हुए विजय कहते हैं..

'बस लगातार प्रयास करते रहिए, हार मत मानिए। यदि आप ईमानदारी से कोशिश करते रहेंगे तो एक दिन सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी।' विजय बघेल की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे सिवनी जिले और मध्य प्रदेश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन संदेश देता है कि परिस्थितियाँ कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, आत्मविश्वास अडिग हो और प्रयास निरंतर हों, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।

विजय बघेल वास्तव में इस बात के जीवंत उदाहरण हैं कि 'संघर्ष जितना बड़ा होता है, सफलता उतनी ही शानदार होती है।'

बिजली के तारों की चपेट में आकर घायल हुआ किसान..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के लखनादौन नगर के वार्ड क्रमांक 2 में बीती रात एक किसान बिजली के तारों की चपेट में आकर घायल हो गया। खेत में गिरे हुए बिजली के खंभे और जमीन पर पड़े तारों के संपर्क में आने से यह हादसा हुआ। घायल किसान को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

खेत में तैयारी के दौरान हादसा..

जानकारी के अनुसार किसान सम्मन सिंह पटेल रात करीब 11:30 बजे अपने खेत में जुताई की तैयारी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि खेत में बिजली का एक खंभा गिरा हुआ है और उससे जुड़े तार जमीन पर फैले हुए हैं।

अंधेरे में नहीं दिखे तार..

रात के अंधेरे में तार नजर न आने के कारण किसान अनजाने में उनकी चपेट में आ गए। चलते समय उनका पैर तारों में उलझ गया और वे गिर पड़े। गिरने के बाद जब उन्होंने संभलने की कोशिश की तो हाथसे तार छू जाने पर उन्हें जोरदार करंट लगा और वे बेहोश हो गए।

समय पर इलाज से बची जान..

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल किसान को अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बच गई। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है।

बिजली व्यवस्था पर सवाल..

किसान ने बताया कि खेत में खुले पड़े बिजली के तार न केवल उनके लिए बल्कि पशुओं के लिए भी खतरा हैं। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताया। सूचना मिलने पर पुलिस और विद्युत विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया है। विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त खंभों और तारों की तुरंत मरम्मत की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार घायल

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के मानेगांव के पास शनिवार दोपहर करीब 1 बजे एक सड़क दुर्घटना हुई। इसमें बाइक सवार रज्जन तेकाम (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया।

रज्जन तेकाम चरगांव निवासी राम सिंह तेकाम के पुत्र हैं। जानकारी के अनुसार घायल रज्जन तेकाम अपने गांव से घंसौर खाद लेने बाइक से जा रहे थे। मानेगांव के पास पहुंचने पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और रज्जन को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल की सहायता की और तत्काल डायल 112 पुलिस सहायता वाहन तथा 108 एम्बुलेंस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायल को प्राथमिक उपचार के लिएसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया।घंसौर अस्पताल में चिकित्सकों ने रज्जन तेकाम का प्राथमिक उपचार किया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बताया गया है कि उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उनका उपचार जबलपुर में जारी है।

वाहन चालक की तलाश जारी..

दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद घंसौर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और अज्ञात वाहन तथा उसके चालक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के '12 साल बेमिसाल' के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत धनौरा में हुआ स्वच्छता अभियान और पौधरोपण

बलजीत सिंह, जगप्रेरणा धनौरा।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व, सेवा, सुशासन और विकास के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज मंडल

धनौरा की ग्राम पंचायत धनौरा में '12 वर्ष बेमिसाल' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया और सघन वृक्षारोपण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने मिलकर पंचायत क्षेत्र की साफ-सफाई की और ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इसके साथ ही प्रकृति के संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को दोहराते हुए पंचायत परिसर व आसपास के क्षेत्रों में फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप गाँव को स्वच्छ और हरा-भरा बनाकर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा साथी और जागरूक ग्रामीण जन उपस्थित रहे, जिन्होंने रोपे गए पौधों की देखरेख और सुरक्षा का सामूहिक संकल्प लिया।

जन अभियान परिषद् ने किया नर्मदा नदी की सहायक नदी भगोड़ा का दो दिवसीय सर्वेक्षण..

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड घंसौर जिला सिवनी अंतर्गत मां नर्मदा की सहायक नदी भगोड़ा का दो दिवसीय सर्वेक्षण कार्य के लिए प्रस्थान किया।

04 जून को घंसौर विकासखंड के केवलारी पाटन उदगम स्थल से साफसफाई करने के पश्चात पूजन अर्चन कर सर्वेक्षण यात्रा की शुभारंभ किया गया तथा केवलारी ग्राम में बैठक कर ग्राम के प्रबुद्ध लोगों से भगोड़ा नदी/ नाला के बारे जानकारी एकत्रित की गई तत्पश्चात ग्राम कुकरी में चौपाल आयोजित कर जानकारी ली गई इसके बाद केदारपुर होते हुए बरेली,बुढ़ना होते हुए गोकल थाना, 05 जून को सर्रा, घटेरी, प्रतापगढ़ संगम में यात्रा का समापन किया गया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला, विकासखंड समन्वय श्रीमती मधुबाला चौरसिया जी नवांकुर संस्था श्री राम सेवा समिति, देवरस सेवा संस्थान, सृजन सेवा समिति जय किसान सेवा समिति, ओएसिस समिति, सभी परामर्शदाताओं के सहयोग से निकाली गई द्य जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्रीमती मधुबाला चौरसिया जी ग्रामीण जनों से संवाद किया गया की सहायक नदी होने के साथ-साथ अपने क्षेत्र में इसका योगदान बहुत बड़ा है द्य आज अपने क्षेत्र में जल का भंडार है तो इसका मुख्य कारण भगोड़ा नदी ही है।

जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला द्वारा बताया गया की विगत वर्षो द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सर्वे का कार्य किया गया जिसका उद्देश्य वृहत पैमाने पर वृक्षारोपण करना था। शुक्ला जी द्वारा बताया गया कि प्रदेश जन अभियान परिषद पूरे मध्यप्रदेश में मां नर्मदा नदी की सहायक नदियों का सर्वेक्षण किया जा रहा है जिसका उद्देश्य है कि सहायक नदियों का जल का संरक्षण करना तथा उसका संचयन करना है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं जन-जागरूकता अभियान संपन्न..

जगप्रेरणा सिवनी।

स्थानीय डी पी चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय एवं डी पी सी रोल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल ड्रीमलैण्डसिटी सिवनी के छात्रों द्वारा संयुक्तरूप से विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून के अवसर पर पौधा वितरण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा वृक्षारोपण व जल के महत्व को समझाना था। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के चेयरमेन डॉ. के.के. चतुर्वेदी जी ने विद्याथियों एवं नामरिकों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण, तथा वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पृथ्वी के बढ़ते तापमान एवं जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि समय रहते सभी को एक पेड़ अपने परिजनों के नाम पर लगा कर उसे वृक्ष बनाने तक परवरिश करनी होगी भारत के अधिकांश नगर व महानगर 45 डिग्री से लेकर 48 डिग्री तक तापमान के कारण आग की भट्टी की तरह बने हुये हैं. इसलिए तापमान को नियंत्रित करना सभी की जवाबदेही है अतः नगर, गांव, शहर को लगातार वृक्षारोपण करने से ही हराभरा कर तापमान नियंत्रित किया जा सकता है। इस लिए आप सभी शपथ लें कि इस बरसात के मौसम में एक पेड़ लगाकर उसका तीन वर्षों तक संरक्षण करें। इस अवसर पर छात्र/छात्रओं सहित प्राध्यापकों ने नगर के तीन स्थानों छिन्दवाड़ा चौक, गांधी भवन एवं कचहेरी चौक में पौधा वितरण किया एवं एन.एस.एस. के छात्रों द्वारा गांधी भवन से जन-जागरूकता रैली निकाली गई कार्यक्रम को सफल बनाने मे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अमिता चतुर्वेदी, सहित सभी प्राध्यापकों एवं छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
मो.- 8817448039

सिवनी मे जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद 7898530101

विश्व पर्यावरण दिवस पर: 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम का आयोजन..

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल कान्हीवाड़ा द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए समाज को प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी दिलीप बघेल ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण कर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष जनपद सदस्य इंद्रकुमार जंघेला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्षारोपण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक सतत अभियान है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीराम ठाकुर वरिष्ट पत्रकार, संतोष बन्देवार मिडिया प्रभारी, उपाध्यक्ष विनोज (बबलू) ठाकुर, मडंल उपाध्यक्ष महेश चन्द्रवंशी मंडल मंत्री अजय ठाकुर, मुदस्सिर खान, दीवान चंद्रवंशी,विजय ठाकुर, सोनू बंदेवार, सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों की सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल के संदेश के साथ हुआ।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
मनोज सचदेव
मो. 94258-22975

पर्यावरण दिवस पर नपा ने किया बालाघाट में सुलभ शौचालय कॉम्पलेक्स निर्माण का भूमिपूजन..

नगर के विभिन्न स्थानों पर बनेंगे 6 आधुनिक सुलभ शौचालय, उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से हुई शुरुआत

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता को बढ़ावा देने एवं नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आधुनिक शौचालय कॉम्पलेक्स निर्माण का भूमिपूजन किया गया। नगर पालिका

द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से 5 आधुनिक सुलभ शौचालय कॉम्पलेक्स निर्मित किए जाएंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन, रमाकांत डहाके, गणेश अग्रवाल, बंडू पारधी, नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति समीर जायसवाल, वकील वाधवा, कमलेश पांचे, उज्जवल आमाडारे, संगीता खगेश कावरे, योगिता विनय बोपचे, संगीता थापा, मनीष नेमा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, स्वास्थ्य शाखा के कर्मचारी, विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

बोली भारती ठाकुर..

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन ने देश में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता पैदा की है। नगर पालिका परिषद बालाघाट भी इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए नागरिकों को बेहतर एवं सम्मानजनक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। पर्यावरण दिवस पर शौचालय निर्माण कार्य का शुभारंभ स्वच्छ और स्वस्थ बालाघाट के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इन पांच प्रमुख स्थानों पर बनेंगे सुलभ शौचालय

नपाध्यक्ष श्रीमती ठाकुर ने बताया कि नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छः आधुनिक शौचालय कॉम्पलेक्स बनाए जा रहे हैं। इनमें उत्कृष्ट विद्यालय मैदान, मोती गार्डन परिसर, सैनानी गार्डन अम्बेडकर चौक, स्टेडियम के सामने, अंबेडकर भवन, बैहर रोड, जयहिंद टॉकीज क्षेत्र शामिल हैं। इन स्थानों का चयन वहां आने वाले आम नागरिकों, खिलाड़ियों, व्यापारियों, श्रमिकों एवं आयोजनों में शामिल होने वाले लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

खिलाड़ियों, महिलाओं और आमजनों को मिलेगा लाभ..

उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में बनने वाले शौचालय कॉम्पलेक्स में महिला एवं पुरुषों के लिए पृथक शौचालयों के साथ खिलाड़ियों की सुविधा हेतु चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी की जाएगी। इससे खेल गतिविधियों में शामिल खिलाड़ियों, छात्र-छात्राओं एवं मैदान में आने वाले नागरिकों को विशेष सुविधा मिलेगी।

श्रमिकों, व्यापारियों और राहगीरों के लिए होगी बड़ी राहत..

नगर के विभिन्न स्थानों पर बनने वाले इन आधुनिक सुलभ शौचालयों से आम नागरिकों के साथ-साथ बाजार क्षेत्रों में आने वाले व्यापारियों, श्रमिकों, राहगीरों एवं विभिन्न सामाजिक-धार्मिक आयोजनों में शामिल होने वाले लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से जयंत टॉकीज क्षेत्र और बैहर रोड जैसे व्यस्त इलाकों में यह सुविधा नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी।

अन्य स्थलों पर भी होगा अलग-अलग भूमिपूजन

नपाध्यक्ष श्रीमती ठाकुर ने बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में भूमिपूजन के साथ इस परियोजना का शुभारंभ किया गया है। आगामी दिनों में अन्य चयनित स्थलों पर भी अलग-अलग भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा, ताकि सभी शौचालय कॉम्पलेक्स निर्धारित समय सीमा में पूर्ण होकर नागरिकों को समर्पित किए जा सकें। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा संचालित यह परियोजना न केवल स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को साकार करेगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधायुक्त बालाघाट के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिल्ली होटल अग्निकांड से सबक लेकर

बालाघाट जिला प्रशासन ने किया होटल, लॉज एवं अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण..

जगप्रेरणा बालाघाट।

दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में हुई अग्नि दुर्घटना के मद्देनजर बालाघाट जिले में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना

के निर्देशन एवं एसडीएम श्री गोपाल सोनी के आदेश के परिपालन में 5 जून को बालाघाट शहर के विभिन्न होटल, लॉज, लॉन एवं अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। अतिरिक्त तहसीलदार सुश्री छवि पंत के नेतृत्व में नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया, पुलिस विभाग, नगर पालिका अमले तथा हल्का पटवारी अजीत तिवारी, अंचल साव एवं संजीव लिल्हारे की संयुक्त टीम द्वारा होटल गुलमोहर, होटल मिड टाउन एवं लाइफ केयर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। टीम ने फायर एक्सटिंग्विशर की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, आपातकालीन निकास मार्ग, लिफ्ट सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा उपाय, विद्युत सुरक्षा मानकों, आवश्यक व्यावसायिक प्रमाणपत्रों, भवन अनुमति, स्टाफकी मॉक ड्रिल तथा आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों का परीक्षण किया। जांच के समय संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालक, प्रबंधक एवं स्टाफ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा बताया गया कि नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस प्रकार की निरीक्षण कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप मे जोड़े जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

जिला कबड्डी संघ एवं खेल युवक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित

समर कैम्प कबड्डी लीग का कमलजीत सिंह छाबड़ा के मुख्यातिथ्य में हुआ समापन..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला कबड्डी संघ बालाघाट एवं खेल युवक कल्याण विभाग के तत्वाधान में समर कैम्प दिनांक 01.05.2026 से 31.05.2026 तक मुलना स्टेडियम में आयोजित

किया गया। दिनांक 01.06.2026 को विधिवत समर कैम्प लीग कबड्डी प्रतियोगिता का समापन मुख्य आतिथ्य श्री कमलजीत छाबड़ा उपाध्यक्ष जिला कबडडी संघ एवं श्री पूरनसिंह भाटिया की अध्यक्षता में तथा खेल एवं युवक कल्याण अधिकारी राहुल बरेसा की विशेष अतिथि के सानिध्य में प्रतियोगिता सम्पन्न की गई।

जिसमें लीग में प्रथम स्थान जिला कबडडी संघ बालाघाट विजेता एवं शहीद चन्द्रशेखर आजाद उपविजेता रही, तृतीय स्थान बजरंग क्लब बालाघाट एवं चौथा स्थान बजरंग क्लब-बी बालाघाट को दिया गया। लीग टूर्नामेंट के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु श्री डेविड मरावी को सम्मानित किया गया। सभी विजेता, उपविजेता तृतीय स्थान / चतुर्थ स्थान / कोच को भी नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। टीम को ट्राफी एवं नगद पुरस्कार श्री कमलजीत छाबड़ा एवं पूरनसिंह भाटिया द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला कबड्डी संघ बालाघाट के महासचिव श्री रमेश दीक्षित, सचिव श्री रामकिशोर राहंगडाले, सहसचिव श्री खेमलाल वराड़े, उमेश सपाटे, भीमराज ठाकरे, लव पटेल, खेमलाल वरकड़े ने खिलाड़ियां के भविष्य की उज्जवल कामना की है।

खाद-बीज और ऋण वितरण की अव्यवस्था पर भड़के जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार..

विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं समितियों का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण जनता को शासन की योजनाओं का समय पर उचित लाभ मिल सके, किसानों को सोसायटीयों के माध्यम से खाद बीज समय पर उचित दरों पर प्राप्त हो सके, तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र में अधिकारी कर्मचारी पूरी जवाबदारी से कार्य कर रहे हैं या फिर जिम्मेदारियों में लापरवाही

बरती जा रही है, इसका निरीक्षण करने के लिये बालाघाट जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार निरंतर सक्रिय है। बालाघाट जिले की वारासिवनी एवं लालबर्रा जनपद पंचायत अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में गुरुवार, शुक्रवार और फिर शनिवार को भी सम्राट सिंह सरसवार दौरा कार्यक्रम सुनिश्चित करते हुए ग्राम पंचायतों और कार्यालयों में पहुंचे, और फिर उन्होंने वहां पर विभिन्न व्यवस्थाओं और कार्यों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीण जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी जानी। आज 06 जून को लालबर्रा ब्लॉक अंतर्गत सेवा सहकारी समिति नेवरगांव ला एवं सेवा सहकारी समिति जाम का निरीक्षण कर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने जब व्यवस्थाओं का जायजा लिया, तब बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों और ग्रामीणों ने खाद वितरण, ऋण वितरण तथा समिति संचालन में आ रही गंभीर समस्याओं से श्री सरसवार को अवगत कराया। किसानों ने बताया कि समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने और ऋण संबंधी प्रक्रियाओं में देरी के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सम्राट सिंह सरसवार ने मौके पर मौजूद अधीनस्थ अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

05 जून को भी ग्राम पंचायतो में समस्याओं का किया निवारण..

गौरतलब है कि शुक्रवार 05 जून को जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ग्राम पंचायत बल्लारपुर, ग्राम पंचायत रामपुरी, ग्राम पंचायत बहियाटीकुर बहेगांव भी पहुंचे थे, जहां ग्रामीणों ने तालाब के किनारे हो रहे अतिक्रमण और तालाब की खराब होती पाल की गंभीर समस्या से अवगत कराया। इसी प्रकार टूटी हुई नाली तथा गांव की मुख्य सड़क पर रिटर्निंग वॉल निर्माण की मांग उठाई। श्मशान घाट के लिए हैंडपंप और हाईमास्ट लाइट की मांग रखी गई। वहीं नेवरगांवला में सरपंच एवं ग्रामीणों ने सड़क, नाली एवं अन्य विकास कार्यों की समस्याओं से अवगत कराया। बहेगांव में तालाब के दोनों गेट खराब होने की शिकायत सामने आई, जिस पर सम्राट सिंह सरसवार ने मौके से ही विभागीय अधिकारियों को मोबाइल पर निर्देश देकर शीघ्र मरम्मत कराने को कहा। दौरे के दौरान कई गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं, बिजली के खंभों, पेयजल व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने सभी विभागों के अधिकारियों को जनता के बीच खड़े होकर जवाबदेही निभाने और समयसीमा में समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

बोले सम्राट सिंह सरसवार..

सम्राट सिंह सरसवार ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर सहकारी समितियों की बदहाल व्यवस्था किसानों की परेशानियों को बढ़ा रही है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हुआ तो जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की जाएगी। सम्राट सिंह सरसवार ने कहा कि यदि अधिकारियों को भी समय पर शासन की ओर से उचित सहयोग प्राप्त नहीं होता है, तो उन्हें इस बात की जानकारी अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी देना चाहिये।

यह रहे उपस्थित..

इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव जुगल शर्मा, लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम गोयल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भावऊराम गणेश्वर, वरिष्ठ कांग्रेसी धर्मेंद्र डंडे, मनीष कुशवाहा, गोविंद पटेल, देवराज ठाकरेले, मुनीम ठाकरे, भोजराज पटेल, शेख लाल शरणागत, संतोष पंचेश्वर, बलेश रामवेल, मोहनलाल टेमली, मनीष ब्राह्मी, गणपत करोल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी
मो. 84353 19391

कलेक्टर ने ली बैहर एवं बिरसा के खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक..

लापरवाही पर अधिकारियों को नोटिस और कार्रवाई की चेतावनी

जगप्रेरणा बैहर।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने आज 06 जून को एकलव्य विद्यालय बैहर के आडिटोरियम हाल में बैहर एवं बिरसा विकासखंड के खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डी पी बर्मन, बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता एवं सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान सेम श्रेणी के कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन, कुपोषित बच्चों के उपचार एवं 03 से 06 वर्ष के बच्चों का शाला पूर्व शिक्षा के लिए पंजीयन में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर बैहर के बाद विकास परियोजना अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं आमगांव व गढ़ी सेक्टर की आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए। बैहर परियोजना के बिठली एवं भंडेरी सेक्टर में अच्छा कार्य करने के लिए वहां की पर्यवेक्षकों की सराहना की गई।

इसी प्रकार बाल विकास परियोजना बिरसा के जानपुर एवं कचनारी सेक्टर में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर वहां की पर्यवेक्षकों एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी की एक एक वेतन वृद्धि उनके काम में सुधार लाने तक रोकने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों को उपस्थित सार्थक एप्प से अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए। गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन एवं नियमित स्वास्थ्य जांच में कभी पाए जाने पर पांडुतला, माना, पाथरी, जमुनिया, झामुल की एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। लूद सेक्टर में गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन में अच्छा कार्य करने के लिए वहां की सीएच ओ एवं एएनएम की सराहना की गई।

बैठक में बैहर एवं बिरसा विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसी को शालाओं में बच्चों का शत प्रतिशत प्रवेश एवं पंजीयन दो दिनों के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए और चेतावनी दी गई कि समय सीमा में लक्ष्य पूर्ति नहीं होने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

पशुपालन विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा के दौरान पशुओं की टैगिंग, एफएमडी टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, कामधेनु योजना एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन से केवल मादा बछिया के गर्भाधान में दोनों विकासखंड में संतोषजनक प्रगति नहीं आने पर नाराजगी जाहिर की गई और इसके लिए जिम्मेदार एव्हीएफओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा खंड पशु चिकित्सा अधिकारी को एक सप्ताह में काम में सुधार नहीं लाने पर हटाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि बैहर, बिरसा और परसवाड़ा विकासखंड में पशुपालन के क्षेत्र में बहुत अच्छी संभावना है अतः यहां पर पशुपालन संबंधी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में उप संचालक कृषि एवं खंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसानों को धान, कोदो, कुटकी, रागी एवं अन्य खरीफ फसलों के बीज समय पर उपलब्ध कराएं और किसानों को डीएसआर पद्धति से धान की बोनी के लिए प्रोत्साहित करें। फसल गिरदावरी के समय बोयी गई फसलों का रकबा राजस्व विभाग के रिकार्ड से मेल खाना चाहिए।

जिन किसानों को वन अधिकार पट्टा दिया गया है उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड, बीज, फसल ऋण, पीएम किसान सम्मान निधि, कृषि यांत्रिकीकरण योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि उनके विभाग द्वारा 176 वन पट्टा धारक किसानों की सूची उन्हें लाभान्वित करने के लिए तैयार कर ली गई है। कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान फार्मर रजिस्ट्री, नक्शा तरमीम, सीमांकन, बंटवारा के प्रकरणों में सबसे कम प्रगति वाले पांडुतला, धुनधुनवार्धा, तुमड़ीभाट, गोहारा, पटवारियों को तलब किया गया और उन्हें अपने कार्य में शीघ्र सुधार लाने के निर्देश दिए गए और चेतावनी दी गई कि उनके काम में एक सप्ताह के भीतर प्रगति नहीं आने पर निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान मनरेगा कार्यों में श्रमिक नियोजन, श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य में सबसे कम प्रगति वाली ग्राम पंचायत रेलवाही, कनिया, गुदमा, बलगांव, पल्हेरा, कटंगी, चौरिया, बाबरी, हर्राभाट, झामुल, अचानकपुर, घुईटोला, किनारदा, आमगांव, बम्हनी, मोहरई, आमगहन के सचिव व ग्राम रोजगार सहायक को चेतावनी दी गई कि वे अपने कार्य में सुधार लाएं अन्यथा वेतन वृद्धि रोकने और सेवा समाप्ति जैसी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

बैठक में कहा गया कि नक्सलवाद से मुक्त हो चुके ग्रामों में ग्रामीणों को रोजगार दिलाने के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पंचायत सचिवों को पंचायत की आय बढ़ाने के कारगर उपाय करने के निर्देश दिए गए और कहा गया कि रिसोर्ट एवं टूरिस्ट वाली पंचायतों द्वारा इस दिशा में किए गए कार्यों की जिला स्तर से समीक्षा की जाएगी।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को गढ़ी की नल-जल योजना को शीघ्र शुरू करने और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के महाप्रबंधक को माना लपटी के पुल का शीघ्रता से शुरू करने के निर्देश दिए गए।

कान्हा के मुक्की गेट स्थित बैगा हाट का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बैगा संस्कृति एवं परंपराओं को मिलेगा नया मंच, पर्यटकों को होगी स्थानीय बैगा जनजातीय जीवन की पहचान

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने शुक्रवार को कान्हा नेशनल पार्क के मुक्की गेट के समीप निर्मित बैगा हाट का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए बैगा जनजाति के लोगों को बैगा हाट में निर्मित दुकानों का प्राथमिकता से आबंटन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि बैगा हाट का उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, हस्तशिल्प, कला और जीवन शैली को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटकों तक पहुंचाना है। कान्हा टाइगर रिजर्व में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में बैगा हाट उनके लिए बैगा जनजाति की सांस्कृतिक विरासत को निकट से जानने और समझने का महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि बैगा समुदाय के लोगों को इस हाट के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। यहां वे अपने हस्तनिर्मित उत्पाद, पारंपरिक कलाकृतियां, वन उत्पाद तथा स्थानीय संस्कृति से जुड़े अन्य सामानों का विक्रय कर अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि उनकी पारंपरिक कला एवं संस्कृति के संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैगा हाट को पर्यटकों के लिए आकर्षक एवं सुविधाजनक बनाया जाए। उन्होंने स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, सूचना संकेतक, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही बैगा संस्कृति एवं परंपराओं से संबंधित जानकारी प्रदर्शित करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने को कहा, ताकि पर्यटक यहां से स्थानीय जनजातीय जीवन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि बैगा हाट को जनजातीय संस्कृति, पर्यटन और स्थानीय आजीविका के संगम के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और बैगा समुदाय को अपनी पहचान एवं सांस्कृतिक धरोहर को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त होगा।

निरीक्षण के दौरान बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कलेक्टर को बैगा हाट की वर्तमान स्थिति एवं प्रस्तावित व्यवस्थाओं की जानकारी दी। कलेक्टर ने कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर बैगा हाट को पूर्ण रूप से संचालित करने के निर्देश दिए।

इंस्टाग्राम की दोस्ती प्यार में बदली, संयुक्त टीम की तत्परता से रुका बाल विवाह..

जगप्रेरणा बैहर।

विकासखंड बैहर की ग्राम पंचायत नव्ही में एक नाबालिग बालिका का बाल विवाह समय रहते रोक दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका के अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन में बाल विवाह की सूचना मिलते ही संयुक्त टीम मौके पर पहुंची।

टीम में महिला एवं बाल विकास विभाग की श्रीमती प्रीति हरिनखेड़े, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलेंटियर मानिकराम टेकाम, पुलिस विभाग से सतीश टेकाम एवं नसीब धुर्वे तथा ग्राम पंचायत नव्ही के सरपंच मुकेश मरावी शामिल थे। जांच के दौरान बालक और बालिका के शैक्षणिक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। इसमें बालिका की आयु 17 वर्ष 5 माह तथा बालक की आयु 22 वर्ष 7 माह पाई गई। पूछताछ में पता चला कि दोनों की पहचान लगभग एक वर्ष पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। समय के साथ उनकी मित्रता प्रेम संबंध में बदल गई और दोनों ने विवाह करने का निर्णय लिया। इसी दौरान बालिका बिना परिजनों को बताए बालक के घर पहुंच गई थी। सूचना मिलने पर संयुक्त टीम ने दोनों पक्षों के परिजनों को बुलाकर बाल विवाह की कानूनी स्थिति से अवगत कराया। टीम ने बाल विवाह के दुष्परिणामों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर पडने़ वाले प्रभावों तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि बाल विवाह कराना, उसमें सहयोग करना या उसे बढ़ावा देना कानूनन दंडनीय अपराध है। समझाइश और कानूनी परामर्श के बाद बालिका अपने परिजनों के साथ घर लौटने के लिए सहमत हो गई। उसने यह भी आश्वासन दिया कि वैधानिक आयु पूर्ण होने के बाद ही विवाह संबंधी निर्णय लेगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल संबंधित विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या महिला हेल्पलाइन 181 पर जानकारी दें, ताकि बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन, 1970 खिलाड़ियों ने लिया भाग..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्य प्रदेश शासन के जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बालाघाट तथा जिले के समस्त खेल संघों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन शिविर' का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के नेतृत्व में जिले के सभी 10 विकासखंडों एवं जिला मुख्यालय में संचालित विभिन्न खेलों के शिविरों में लगभग 1970 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिविर समाप्त होने के बाद भी नियमित अभ्यास जारी रखना चाहिए तथा खेलों से निरंतर जुड़े रहना चाहिए।

उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि यदि मोबाइल का उपयोग किया जाए तो वह अभिभावकों की निगरानी में और केवल शिक्षा व ज्ञानवर्धक उद्देश्यों के लिए होना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि मोबाइल के बढ़ते उपयोग के कारण ग्रामीण एवं पारंपरिक खेल धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में शासन द्वारा आयोजित खेल शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम में बताया गया कि आरोह 2026 समर कैंप नए स्वरूप में बच्चों और खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस प्रकार के शिविर खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं आमजन में सकारात्मक सोच और सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण को बढ़ावा देते हैं।

स्वागत भाषण के दौरान शिविर में किए गए नवाचारों तथा आरोह अभियान के विभिन्न घटकों की जानकारी दी गई। विभाग एवं खेल संघों के प्रशिक्षकों, युवा समन्वयकों और कोचों द्वारा खिलाड़ियों को इन गतिविधियों के उद्देश्यों से परिचित कराया गया। जिला खेल अधिकारी ने शिविर की उपलब्धियों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

समारोह में नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, पूर्व पार्षदगण, जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, जिला हॉकी संघ के सचिव विजय वर्मा, जिला कबड्डी संघ के सचिव रमेश दीक्षित, जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव आर. हम्पी, खेल प्रशिक्षक, खेलो इंडिया एथलेटिक्स कोच, सभी विकासखंडों के युवा समन्वयक, ग्रामीण युवा केंद्र के प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा सभी कोचों एवं युवा समन्वयकों को टी-शर्ट, लोअर एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में अहिल्या कन्हार फिजिकल क्लब के सचिव शैलेंद्र यादव ने आभार व्यक्त किया।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

जग प्रेरणा

वारासिवनी कटंगी

● कायदी ● डोंगरमाली ● रामपायली ● खैरलांजी ● तिरोड़ी ● बोनकट्टा ● महकेपार

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

पिंटू गुप्ता तिरोड़ी

मो. 8770664297

डहरवाल कलार समाज की जिलास्तरीय बैठक संपन्न

समाज सुधार के लिए विशेष निर्णय लेने की तैयारी, प्रतिभाओं और वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र पर जताई चिंता..

जगप्रेरणा बालाघाट।

डहरवाल कलार समाज संगठन की वार्षिक जिलास्तरीय बैठक शुक्रवार को बालाघाट नगर स्थित कमला नेहरू हॉल में आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर से समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, शासकीय सेवाओं में चयनित युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया गया। वहीं इस वर्ष समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र और विवाह में हो रही देरी को प्रमुख चर्चा का विषय बनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत कर बैठक की औपचारिक शुरुआत हुई। मंच पर नागपुर अखंड डहरवाल कलार समाज के अध्यक्ष लिखेंद्र बिठले, प्रांतीय उपाध्यक्ष लख्खू पटेल, संरक्षक शिवाजी बाविसताले, वरिष्ठ समाजसेवी अमृतलाल धुवारे, सुनील शिवहरे तथा जिलाध्यक्ष राजेंद्र साकरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विवाह योग्य बच्चों की बढ़ती उम्र बनी चिंता

बैठक में समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि वर्तमान समय में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। कई बार अत्यधिक अपेक्षाएं, सामाजिक प्रतिष्ठा की सोच और विभिन्न शर्तों के कारण विवाह में अनावश्यक देरी हो रही है। इसका प्रभाव युवाओं के भविष्य और सामाजिक व्यवस्था दोनों पर पड़ रहा है। वक्ताओं ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देते हुए समय पर उचित निर्णय लें। साथ ही युवाओं को अच्छे संस्कार, शिक्षा और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए।

समाज में बदलते परिवेश पर भी हुई चर्चा..

महिला प्रकोष्ठ की प्रतिनिधियों और समाज के मार्गदर्शकों ने कहा कि समय के साथ सामाजिक परिस्थितियों में काफी बदलाव आया है। विवाह को लेकर बड़े सपने और ऊंची अपेक्षाएं रखने के कारण अनेक युवक-युवतियां विवाह योग्य आयु पार कर रहे हैं। ऐसे में समाज को व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी होगी।

मेधावी विद्यार्थियों और नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान

वार्षिक बैठक के दौरान समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले सात लोगों को सम्मान प्रदान किया गया। वहीं विभिन्न शासकीय विभागों में चयनित आठ नव नियुक्त कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 200 छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया। समाज के वरिष्ठ नागरिकों और समाज सेवा में सक्रिय योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया

तहसील स्तर पर होंगी बैठकें, फिर होगा अंतिम निर्णय

जिलाध्यक्ष राजेंद्र साकरे ने बैठक में संगठन की वार्षिक आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र की समस्या को इस वर्ष प्रमुख विषय के रूप में लिया गया है। इस संबंध में जिले की विभिन्न तहसीलों में बैठकों का आयोजन कर समाजजनों के सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद जिला स्तर पर एक बड़ी बैठक आयोजित कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने समाज के अभिभावकों से बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए समय पर विवाह संबंधी निर्णय लेने की अपील की। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ तथा विभिन्न तहसीलों से आए प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

इनकी रही उपस्थिति

इस कार्यक्रम में डहरवाल कलार समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सकरे, सचिव दुर्गा प्रसाद बाविसताले, कोषाध्यक्ष परदेसी राठौर, सहसंगठन मंत्री प्रयागराज सुहागपुरे, मीडिया प्रभारी पंकज डहरवाल, रमन बिठले, प्रांतीय कोषाध्यक्ष विजय बाविसताले,उपाध्यक्ष रमन बिठले, युवा प्रकोष्ठ संयोजक आशीष गढ़पांडे, सहसंयोजक अखिलेश मंडलेकर, परामर्श प्रकोष्ठ संयोजक डी सी डहरवाल, नारायण डहरवाल, बालाघाट तहसील अध्यक्ष ज्ञानचंद भौरगढ़े, तिरोड़ी तहसील अध्यक्ष सुशील उचबगले, वारासिवनी तहसील अध्यक्ष शिवशंकर मंडलेकर, बैहर तहसील अध्यक्ष जागेश्वर ब्रम्हनोटे, परसवाडा तहसील अध्यक्ष जगदीश साकरे, खैरलांजी तहसील अध्यक्ष श्रीराम सुहागपुरे, लालबर्रा अध्यक्ष राजू बिठले, कटंगी अध्यक्ष चंद्रप्रकाश डहरवाल तथा महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती सरस्वती ब्रम्हनोटे, श्रीमती सुनीता,श्रीमती रत्ना डहरवाल, श्रीमती कौतिक सिन्धुपे, बैहर संयोजक श्रीमती बबीता ब्रम्हनोटे, श्रीमती मुन्नीबाई डहरवाल, परसवाडा संयोजक श्रीमती रजनी राठौर, श्रीमती भारती अशोक साकरे, श्रीमती धनकड़े, श्रीमती केशर बाविसताले, श्रीमती सुशीला डहरवाल, श्रीमती अंजु बाविसताले, श्रीमती प्रणिता साकरे, श्रीमती सुरेखा साकरे सहित समाज के वृद्धजनों और लोगों की उपस्थिति रही।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति वारासिवनी जिला-बालाघाट (म. प्र.)

क्र./मंडी/तौलकांटा/2026-27/95 वारासिवनी, दिनांक-05/06/2026

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

कृषि उपज मंडी समिति वारासिवनी 'ग' श्रेणी' मंडी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी0ओ0टी0) के तहत संरचना की स्थापना पर निविदा सिस्टम क्रमांक एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार 2026_**MPSAM**5125331 के अंतर्गत ऑन लाईन निविदायें दिनांक 19.06.2026 को शाम 3.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म0प्र0 शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mp-tenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.co.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोटः- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति
वारासिवनी

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो। 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय एस.एस.पी. महाविद्यालय वारासिवनी में वृक्षारोपण एवं व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' योजना के अंतर्गत शासकीय एस.एस.पी. महाविद्यालय, वारासिवनी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, हिन्दी विभाग एवं भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य एवं भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रक्षा निकोसे के मार्गदर्शन तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री कृष्णा पराते के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सरोज घोड़ेश्वर रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. घोड़ेश्वर ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन तथा वायु एवं जल प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए। प्रभारी प्राचार्य डॉ. रक्षा निकोसे ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण दिवस भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक चिंतन का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण, जल संवर्धन, नदी संरक्षण एवं अन्य जनजागरूकता गतिविधियों को निरंतर संचालित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के हिन्दी विभाग परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राएँ, एनएसएस स्वयंसेवक एवं समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा। वृक्षारोपण कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवक रजत सिरसाम, राजकुमार शेण्डे, दिपेश उन्दीरवाड़े, गौरव टेम्भरे, पूजा घोड़ेश्वर, शिवानी उइके, रितु कोटेकर, महिमा मेश्राम, समीक्षा खरोले, आकांक्षा, डाली ठाकरे एवं टीना बाहेश्वर ने सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं महाविद्यालय परिवार से डॉ. तपेश चौरे, श्री विक्रमादित्य मसकरे एवं श्री धरम नागेश्वर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री कृष्णा पराते ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'एक पौधा, सौ पीढ़ियों का जीवन'

विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में औषधीय पौधों का वृक्षारोपण

जगप्रेरणा रामपायली।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों ने न केवल वातावरण को हराभरा बनाने का संदेश दिया, बल्कि समाज को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराया। इस अवसर पर संस्था की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती विश्वात्मा मेश्राम, शिक्षक श्री लोकेश कुमार तिवारी, श्री गजानंद तितरमारे, श्री धनेंद्र मसखरे एवं श्रीमती हीरा उके उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

विद्यालय परिवार द्वारा विशेष रूप से औषधीय पौधों का रोपण किया गया, जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक यदि वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरणीय संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि ÷वृक्ष केवल पौधे नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन के संरक्षक हैं।÷ समाज के सभी वर्गों से अपील की गई कि वे अपने घर, खेत, विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं तथा उन्हें जीवित रखने का संकल्प लें।

पर्यावरण बचेगा तो जीवन बचेगा, और जीवन बचेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यही संदेश विश्व पर्यावरण दिवस पर खरखड़ी विद्यालय के इस सराहनीय प्रयास ने पूरे समाज को दिया।

रविवार 07 जून 2026

6

जग प्रेरणा

लांजी किरनापुर

● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साडरा

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजय टेंभरे लांजी

मो. 7697505999

विज्ञापन आमंत्रित है.. संपर्क - 9329033433

डबल मनी कांड के बाद खुल रहे नए पन्ने..

रजिस्ट्री विवाद के बाद सामने आया मामला आरोपित के परिजनों व सहयोगियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग..

शिकायत कर्ता भवानी किरनापुरे

आशिष बोरकर

जगप्रेरणा लांजी।

डबल मनी कांड के फरार आरोपी आशीष बोरकर के खिलाफ सामने आई एक और शिकायत ने कई पुराने सवालों को फिर जीवित कर दिया है। यह मामला केवल जमीन के कथित फर्जी हस्तांतरण या लाखों रुपये के लेन-देन तक

सीमित नहीं है, बल्कि इससे भी बड़ा सवाल यह है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दो वर्ष पूर्व शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? हाल ही में आशीष बोरकर द्वारा अपने सगे भाई के नाम कराई गई कथित विवादित रजिस्ट्री को लेकर जतिन खरगाल द्वारा उठाए गए सवालों के बाद अब एक अन्य पीड़ित भवानी किरनापुरे भी सामने आए हैं। उनका दावा है कि वर्षों से दबा उनका मामला आज भी न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। जानकारी अनुसार जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ग्राम बिसोनी निवासी भवानी किरनापुरे लांजी में होटल व्यवसाय से जुड़े हैं। उनके अनुसार पीपलगांव खुर्द निवासी आशीष बोरकर का उनके होटल में रोजाना आना-जाना था। बातचीत बढ़ी, परिचय हुआ और फिर वही परिचय भरोसे में बदल गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि आशीष बोरकर स्वयं को बड़ा कारोबारी बताता था और क्षेत्र में डबलमनी से जुड़ा हुआ था। धीरे-धीरे उसने ऐसा विश्वास कायम किया कि भवानी किरनापुरे ने अपनी जीवनभर की कमाई से जुड़ी संपत्ति तक उसके भरोसे छोड़ दी। आज पीड़ित का आरोप है कि यह केवल आर्थिक धोखाधड़ी नहीं बल्कि विश्वास के रिश्ते का कत्ल है। भवानी किरनापुरे का कहना है कि उन्होंने अपनी जमीन, अपनी मेहनत की कमाई और अपना भरोसा-तीनों खोया है। अब उन्हें केवल इस बात का इंतजार है कि उनकी शिकायत भी फाइलों से निकलकर कार्रवाई के धरातल तक पहुंचे। गौरतलब है कि हाल ही में आशीष बोरकर द्वारा अपने भाई के नाम कराई गई कथित विवादित रजिस्ट्री को लेकर सवाल उठे थे। अब एक और तथ्य सामने आया है कि आशीष बोरकर की पत्नी वर्षिला बोरकर ने 14 मई 2026 को लांजी क्षेत्र की एक भूमि ग्राम सोनेसराड़, वार्ड क्रमांक-10 निवासी हेमंत पिता अनाराम देवगड़े (35 वर्ष) के नाम विक्रय की है। आश्चर्यजनक रूप से यह रजिस्ट्री भी लांजी के बजाय कटंगी उप-पंजीयक कार्यालय में संपन्न हुई। इस दस्तावेज में भी सेवा प्रदाता के रूप में शैलेंद्र महोबिया का नाम सामने आने से कई नए प्रश्न खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि फरार आरोपी के परिवार से जुड़े भूमि सौदों में बार-बार कटंगी पंजीयन कार्यालय और एक ही सेवा प्रदाता का नाम सामने आना संयोग है या फिर जांच का विषय, यह प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए।

पत्नी के नाम करा ली दो खसरों की जमीन..

शिकायत के अनुसार भवानी किरनापुरे ने लांजी के वार्ड क्रमांक-5 में स्थित खसरा नंबर 617/2/28/1 रकबा 0.17/0.068 हेक्टेयर तथा 617/2/28/2 रकबा 0.17/0.068 हेक्टेयर भूमि खरीदी थी। आर्थिक परिस्थितियों और रजिस्ट्री संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला देकर आशीष बोरकर ने उन्हें विश्वास में लिया और बाद में उक्त भूमि की रजिस्ट्री अपनी पत्नी वर्षिला बोरकर के नाम करवा ली। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दिये आवेदन के अनुसार जमीन के एवज में आशीष बोरकर ने चार चेक दिए थे। इनमें-चेक क्रमांक 182951 -राशि 1 लाख रुपये, चेक क्रमांक 237518 -राशि 10 लाख रुपये, चेक क्रमांक 183077-राशि 10 लाख रुपये, चेक क्रमांक 043693-सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से जारी शामिल बताए गए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रजिस्ट्री होने के बाद आशीष बोरकर ने स्वयं कहा कि चेक बैंक में प्रस्तुत न किए जाएं, वह पूरी राशि नगद भुगतान कर देगा और बाद में चेक वापस ले लेगा।

4.5 लाख रुपये भी चैक से लिए

मामले को और गंभीर बनाते हुए शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि जमीन के सौदे के अतिरिक्त आशीष बोरकर ने व्यापारिक आवश्यकताओं और अन्य कारणों का हवाला देकर उनसे 4 लाख 50 हजार रुपये भी दो चैक के माध्यम से लिए थे। जब रकम वापस मांगने का दौर शुरू हुआ तो हर बार नया बहाना दिया गया। कभी कुछ दिन का समय, कभी नया वादा और कभी नई तारीख। लगातार दबाव बढ़ने पर 30 सितंबर 2022 को एक स्टाम्प पर लिखित इकरारनामा तैयार किया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि इसमें रकम लौटाने अथवा जमीन वापस करने का वादा किया गया था। लेकिन निर्धारित समय पूरा होने से पहले ही आशीष बोरकर अपनी पत्नी और बच्चों सहित घर छोड़कर फरार हो गया। मोबाइल नंबर बंद हो गए और संपर्क के सभी रास्ते समाप्त हो गए।

दो साल पहले एसपी को शिकायत, फिर भी कार्रवाई नहीं..

इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पक्ष यह है कि शिकायतकर्ता के अनुसार मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक बालाघाट को लगभग दो वर्ष पूर्व ही की जा चुकी थी। शिकायत, दस्तावेज, चेकों की प्रतियां और इकरारनामा उपलब्ध कराने के बावजूद आज तक न तो शिकायतकर्ता को कोई ठोस परिणाम दिखाई दिया और न ही उसे यह समझाया गया कि कार्रवाई किस स्तर पर अटकी हुई है। क्षेत्र में अब यह सवाल खुलकर पूछा जा रहा है कि जब करोड़ों रुपये के डबलमनी प्रकरण से जुड़े मामलों में एक के बाद एक शिकायतें सामने आ रही हैं, तब दो वर्षों से लंबित इस शिकायत पर निर्णायक कार्रवाई क्यों नहीं हो सकी ?

पीपलगांव में खड़े आर्थिक साम्राज्य पर भी उठे सवाल..

पीड़ित भवानी किरनापुरे का कहना है कि डबलमनी के दौरान आशीष बोरकर ने पीपलगांव और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक प्रभाव स्थापित किया था। उसके द्वारा लोगों से जुटाई गई रकम का उपयोग किन संपत्तियों, भूमि खरीद-फरोख्त और अन्य निवेशों में हुआ, इसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। शिकायतकर्ता का कहना है की आरोपी आशीष बोरकर की आर्थिक स्त्रोतों और संपत्तियों की श्रृंखला की जांच की जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। शिकायत में आशीष बोरकर के भाई अरुण बोरकर, राकेश बोरकर तथा कथित सहयोगी दिनेश बारमाटे के नाम भी उल्लेखित हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब भी वह अपनी रकम मांगता था, तब यही लोग भरोसा दिलाते थे कि भुगतान हो जाएगा। ऐसे में पीड़ित पक्ष का कहना है कि यदि वे पूरे घटनाक्रम से परिचित थे तो उनकी भूमिका की भी गहन जांच होना चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

जगप्रेरणा किरनापुर।

स्व. दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05 जून 2026 को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति

जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में श्रमदान से हुआ, जिसमें महाविद्यालय के समस्त स्टाफने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए ग्रो बैग में मिट्टी एवं खाद भरने का कार्य किया तथा वृक्षारोपण हेतु गड्ढों की तैयारी की। इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना **(NSS)**के स्वयंसेवकों के साथ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन, कार्यक्रम प्रभारी सुश्री साक्षी बंसोड़ एवं एनएसएस प्रभारी सुश्री मान्यता तिवारी ने ग्राम बड़गांव में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर ग्राम बड़गांव की सरपंच महोदया एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए वृक्षारोपण किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता रैली, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, भाषण, प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण तथा जैव विविधता संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

ग्राम बड़गांव में बरगद के वृक्ष के नीचे एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन ने भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम प्रभारी सुश्री साक्षी बंसोड़ ने अपने वक्तव्य में भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपराओं एवं पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। इसके पश्चात लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक माननीय श्री राजकुमार कर्राहे महाविद्यालय पहुंचे।

उन्होंने महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई एवं बढ़ते प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल संरक्षण करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने सभी को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़कर वृक्षारोपण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

पैरा से भरा ट्रैक्टर विद्युत लाइन की चपेट में आने से जल उठा..

झूलते तारों और खुले ट्रांसफॉर्मरों की शिकायतों के बाद भी नहीं जागा विद्युत विभाग..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र में विद्युत विभाग की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। लंबे समय से सडक़ पर खतरनाक तरीके से झूल रहे 11 केवी विद्युत

तारों को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगातार शिकायतें किए जाने के बावजूद विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया और आखिरकार वही हुआ जिसकी आशंका जताई जा रही थी। मनेरी में शनिवार सुबह पैरा से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली विद्युत लाइन की चपेट में आ गया, जिससे ट्रॉली में रखे पैरा में आग लग गई। गनीमत रही कि ट्रैक्टर चालक अनिल ने समय रहते सूझबूझ दिखाकर आग को फैलने से रोक दिया, अन्यथा यह घटना कई लोगों की जान ले सकती थी।

जानकारी के अनुसार भूरसाडोंगरी निवासी आई.एस. चौहान सेनि. शिक्षक ने ग्राम चिखली से करीब 50 बेट पैरा खरीदा था। शनिवार 6 जून की सुबह 8.30 बजे के आसपास ट्रैक्टर चालक अनिल वट्टी निवासी भुरसाडोंगरी के द्वारा पैरा को ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से आईएस चौहान के घर लाया जा रहा था। जैसे ही वाहन मनेरी स्थित वानखेड़े राइस मिल के सामने पहुंचा, सडक़ को पार कर रही 11 केवी विद्युत लाइन पैरा के संपर्क में आ गई। संपर्क होते ही ट्रॉली में रखे सूखे पैरा में आग भडक़ उठी और कुछ ही क्षणों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

यात्री बस भी आ सकती थी चपेट में..

हादसे के दौरान बहेला से लांजी की ओर आ रही एक यात्री बस को दूर ही रोक दिया गया। यदि बस उस समय घटना-स्थल के करीब पहुंच जाती तो यात्रियों की जान भी खतरे में पड़ सकती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल संयोग था कि कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रैक्टर चालक अनिल वट्टी ने हिम्मत और समझदारी का परिचय देते हुए तत्काल ट्रॉली से जलते पैरा को नीचे गिरा दिया तथा ट्रैक्टर को अलग कर लिया। चालक अनिल की इसी तत्परता के कारण आग ट्रैक्टर तक नहीं पहुंची और बड़ा नुकसान टल गया। ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि उक्त मार्ग पर विद्युत तार काफी समय से सडक़ के ऊपर खतरनाक रूप से झूल रहे हैं। वानखेड़े राइस मिल के संचालक द्वारा भी कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन विभाग ने इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं समझी। परिणामस्वरूप आज यह हादसा सामने आया।

लाइन की आवश्यकता ही नहीं, फिर भी जोखिम बरकरार..

घटना के बाद ग्राम मनेरी के सरपंच प्रतिनिधि सुभाष सहारे ने बताया कि जिस स्थान पर सडक़ क्रॉस लाइन डाली गई है, वहां इसकी कोई विशेष आवश्यकता नहीं है। लाइन को वैकल्पिक रूप से सीधा किया जा सकता है, जिससे दुर्घटना की संभावना समाप्त हो जाएगी। इसके बावजूद विभाग वर्षों से इस जोखिम को नजरअंदाज कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सडक़ पार करने वाली विद्युत लाइन में सुरक्षा गार्डिंग होना अनिवार्य माना जाता है, लेकिन मौके पर ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। तार इतने नीचे आ चुके हैं कि किसी भी समय कोई भी ऊंचा वाहन इसकी चपेट में आ सकता है।

पी एम आवास योजना की किस्त नहीं मिलने से हितग्राही परेशान..

बिना छत के गुजरेंगे बारिश के दिन..

जगप्रेरणा लांजी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पक्के घर का सपना संजोए सैकड़ों ग्रामीण इन दिनों भारी दुश्वारियों से जूझ रहे हैं। जनपद पंचायत लांजी क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में

हितग्राहियों को समय पर आवास की अगली किस्त नहीं मिलने से निर्माण कार्य ठप पड़ गया है। हालात ऐसे हैं कि कई परिवारों के आशियाने अधूरी दीवारों और बिना छत के खड़े हैं, जबकि मानसून की आमद अब दस्तक देने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उन्हें अधूरा महसूस हो रहा है। पहली और दूसरी किस्त मिलने के बाद लोगों ने पुराने कच्चे मकान तोड़कर नए घरों का निर्माण शुरू कर दिया था, लेकिन बाद की किस्तें समय पर जारी न होने से काम बीच मझधार में अटक गया। कहीं केवल दीवारें खड़ी हैं तो कहीं छत डालने का इंतजार महीनों से जारी है। कई हितग्राहियों ने अपने सीमित संसाधनों के साथ रिश्तेदारों और साहूकारों से उधार लेकर निर्माण कार्य आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन आर्थिक तंगी अब उनके कदम रोक रही है। ऐसे में अधूरे मकानों के बीच बारिश का मौसम बिताने की आशंका परिवारों की पेशानी पर चिंता की लकीरें खींच रही है।

पुराने घर तोड़े, नए मकान अधूरे छोडऩे की मजबूरी....

ग्रामीणों का कहना है कि पहली और दूसरी किस्त मिलने के बाद उन्होंने पुराने कच्चे मकानों को तोड़कर नए घरों का निर्माण शुरू कर दिया था। कई परिवारों ने अपनी जमापूंजी खर्च कर दी, वहीं कुछ ने उधार लेकर काम आगे बढ़ाया। लेकिन अगली किस्त नहीं मिलने से निर्माण कार्य ठप पड़ गया है। कहीं केवल दीवारें खड़ी हैं तो कहीं छत डालने का काम अधूरा है। हितग्राहियों का कहना है कि योजना का उद्देश्य गरीबों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना हैए लेकिन भुगतान में विलंब के कारण उन्हें आर्थिकए मानसिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवार आज भी झोपडिय़ों और जर्जर मकानों में रहने को विवश हैं। सूत्रों के अनुसार 15 मार्च के बाद से बड़ी संख्या में हितग्राहियों को आवास योजना की किस्त प्राप्त नहीं हुई है। दूसरी ओर रॉयल्टी पर रेत उपलब्ध नहीं होने से निर्माण कार्यों की गति और धीमी हो गई है। भुगतान में देरी और निर्माण सामग्री की कमी ने गरीब परिवारों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है।

सपनों के साथ हो रहा खिलवाड़-दिनेश लांडे सभापति....

इधर इस मामले में अपने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जनपद सदस्य दिनेश लांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास जैसी महत्वपूर्ण योजना से ग्रामीणों और जरूरतमंदों का मोहभंग होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से किस्तों का भुगतान नहीं होना हितग्राहियों के सपनों के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा लोग अपना पुराना आशियाना तोड़कर नए घर की उम्मीद में बैठे हैं, लेकिन अब बारिश सिर पर खड़ी है और छत नसीब नहीं हो रही। यह स्थिति कोल्हू के बैल जैसी हो गई है। पूरे वित्तीय वर्ष में लोगों ने रोजगार छोड़कर मकान निर्माण में समय दिया, लेकिन न घर पूरा हुआ और न रोजगार मिला। यह सचमुच दुबले पर दो आषाढ़ वाली स्थिति है।

प्रथम पुण्यतिथि..

07/06/2026 स्व. श्री प्रवीण उमरे (स्वर्गवास 07 जून 2025)

प्रथम पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन।

श्रद्धानवत - समस्त मित्र मंडल लांजी।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

सत्ता की वापसी की बेचैनी या जनहित की चिंता? युवाओं को गुमराह करने की राजनीति पर बड़ा सवाल

भारत आज विश्व के उन देशों में शामिल है जिनकी प्रगति और संभावनाओं की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, रक्षा क्षमता, अंतरिक्ष विज्ञान और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में देश लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर कुछ राजनीतिक समूह और तथाकथित सामाजिक संगठन देश के युवाओं को लगातार असंतोष और उग्रता की राह पर क्यों धकेलना चाहते हैं?

यह सत्य है कि भारत में समस्याएं हैं। बेरोजगारी है, महंगाई है, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां हैं। किसानों की समस्याएं हैं और अनेक क्षेत्रों में अभी भी सुधार की आवश्यकता है। लेकिन क्या इन समस्याओं का समाधान सड़कों पर अराजकता फैलाकर, सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाकर और युवाओं को भड़काकर निकाला जा सकता है? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से ÷नहीं÷ है।

भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है। यहां संविधान ने प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने, विरोध करने और सरकार से सवाल पूछने का अधिकार दिया है। लेकिन लोकतंत्र और अराजकता में बहुत बड़ा अंतर होता है। लोकतंत्र संवाद, विचार-विमर्श और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से चलता है, जबकि अराजकता केवल अव्यवस्था और नुकसान को जन्म देती है।

पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि जब भी कोई राष्ट्रीय मुद्दा सामने आता है, कुछ राजनीतिक शक्तियां युवाओं को भावनात्मक रूप से उकसाने का प्रयास शुरू कर देती हैं। सोशल मीडिया पर आधी-अधूरी जानकारी, भ्रामक वीडियो और तथ्यहीन दावे फैलाकर युवाओं के मन में भ्रम पैदा करने की कोशिश की जाती है। उद्देश्य समस्याओं का समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है।

लेकिन आज का भारतीय युवा पहले जैसा नहीं है। वह जागरूक है, तकनीकी रूप से सक्षम है और तथ्यों की जांच करना जानता है। वह समझता है कि देश की उन्नति केवल नारों और विरोध प्रदर्शनों से नहीं, बल्कि शिक्षा, कौशल, नवाचार और मेहनत से होती है। यही कारण है कि बार-बार किए जाने वाले भड़काऊ प्रयास अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आधुनिक राजमार्गों का निर्माण, रेलवे का आधुनिकीकरण, डिजिटल भुगतान व्यवस्था का विस्तार, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनसे देश की दिशा और गति दोनों में परिवर्तन दिखाई देता है।

स्वाभाविक रूप से हर सरकार की आलोचना हो सकती है और होनी भी चाहिए। लोकतंत्र में आलोचना एक आवश्यक तत्व है। लेकिन आलोचना तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल विरोध के लिए विरोध की राजनीति पर। दुर्भाग्य से कुछ समूहों ने विरोध को ही अपनी राजनीतिक पहचान बना लिया है। उनके पास न तो कोई ठोस वैकल्पिक नीति है और न ही देश की चुनौतियों के समाधान का स्पष्ट खाका।

सबसे चिंता की बात तब होती है जब युवाओं को यह विश्वास दिलाने का प्रयास किया जाता है कि हर समस्या का समाधान सड़क पर उतरकर संघर्ष करने में है। इतिहास गवाह है कि राष्ट्र निर्माण संघर्ष से नहीं, बल्कि रचनात्मक भागीदारी से होता है। देश तब आगे बढ़ता है जब उसके युवा प्रयोगशालाओं में शोध करते हैं, उद्योग स्थापित करते हैं, नई तकनीक विकसित करते हैं, खेतों में उत्पादन बढ़ाते हैं और समाज के लिए सकारात्मक योगदान देते हैं।

लेखक

हरीश नाग

भारत की जनता यह समझती है कि समस्याओं का अस्तित्व किसी भी राष्ट्र में स्वाभाविक है। दुनिया का कोई भी देश ऐसा नहीं है जहां चुनौतियां न हों। महत्वपूर्ण यह है कि उन चुनौतियों का समाधान किस प्रकार खोजा जाए। यदि समस्याओं के समाधान के लिए संवैधानिक और लोकतांत्रिक रास्ते उपलब्ध हैं, तो उग्रता और अराजकता का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि देश के युवाओं को भड़काने के बजाय उन्हें राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ा जाए। उन्हें रोजगार सृजन, उद्यमिता, नवाचार, तकनीकी विकास और सामाजिक सुधार के क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए। यही देशभक्ति का वास्तविक स्वरूप है और यही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग भी है। भारत का युवा अब किसी के हाथ की कठपुतली बनने को तैयार नहीं है। वह जानता है कि राजनीतिक नारों और वास्तविक विकास में क्या अंतर होता है। वह समझता है कि लोकतंत्र में परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम मतदान है, न कि हिंसा और अराजकता।

इसलिए जो लोग युवाओं को भ्रमित करके राजनीतिक लाभ प्राप्त करने का सपना देख रहे हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि नया भारत जागरूक भारत है। यहां के युवा भावनाओं से नहीं, बल्कि तथ्यों और उपलब्धियों से प्रभावित होते हैं। भारत की प्रगति की यात्रा जारी है और देश का युवा इस यात्रा में सहभागी बनना चाहता है, बाधक नहीं। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन राष्ट्रहित सर्वोपरि है। समस्याओं का समाधान होगा, चुनौतियां भी दूर होंगी, लेकिन उसका रास्ता संविधान, संवाद और विकास से होकर गुजरता है, न कि उग्रता और अराजकता से।

आज की ग़ज़ल..

लड़ना भूल जाते हैं
गजलकार
प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क'

परिंदे कैद में रहकर उड़ना भूल जाते हैं।
बुढ़ापे में साथ रहकर हंसना भूल जाते हैं।
तुझे फिक्र है मेरी मुझे फिक्र है तेरी,
तेरे मेरे का है चक्कर चलना भूल जाते हैं।।
गर्दिशों में जिन्हें अबतक सहारा दिया था हमने,
बदले हालात तो अक्सर मिलना भूल जाते हैं।।
सियासत का नजारा देखिए कैसा
प्रलोभन में दल बदल कर, चुनना भूल जाते हैं।।
करते हैं जो बातें हमेशा त्याग तपस्या की,
वही श्रीमान जी वक्त पर,कहना भूल जाते हैं ।।
जो प्यादे हैं वजीरों के या राजा के
वही चक्र व्यूह में फंसकर, लड़ना
भूल जाते हैं ।।
हमेशा जो रहे आस्तिनों में लुप छुपकर, 'अश्क'
जरा सा दूध वो पी कर डसना भूल जाते हैं।।

प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क'

बात करता हूँ..

तुम बोटी की बात करते हो
मैं रोटी की बात करता हूँ।
तुम आसमां की
बात करते हो
मैं चोटी की बात करता हूँ।
तुम्हारी बात में ऊंचाई है
मैं छोटी की बात करता हूँ।
तुम्हारे मामले सभी फिट हैं
मैं गोटी की बात करता हूँ।
नीयत तुम्हारी तुम ही जानो
मैं खोटी की बात करता हूँ।
जमाना आ
गया बरमूडा का
मैं लंगोटी की
बात करता हूँ।
कह लो आप मेरा पिछड़ापन
मैं कसोटी की
बात करता हूँ।

शशि तिवारी

माता-पिता हैं बूढ़े पेड..

माता-पिता हैं बूढ़े पेड़, जो छाया हरदम देते हैं,
खुद तपते हैं धूप में, पर सुख बच्चों को देते हैं।
सींचा है अपने खून से, इस प्यारे से परिवार को,
झेल लिया हर एक तूफ़ान, बचाया घर संसार को।
उनकी शाखाएं कमज़ोर हुईं, पर प्यार नहीं कम होता है,
जिस घर में बुज़ुर्ग न हों, वह घर सूना रोता है।
बचपन में उंगली पकड़कर, चलना हमें सिखाया था,
लोरी गाकर रातों को, बांहों में सुलाया था।
अब वक्त बदल गया उनका, झुर्रियां चेहरे पर आईं,
आंखों की रोशनी धुंधली हुई, हाथों में कम्पन छाई।
पतझड़ सा जीवन हुआ उनका, पत्तियां सब झड़ने लगीं,
बूढ़े पेड़ की जड़ें मगर, यादें पुरानी बुनने लगीं।
हम भूल गए उन कुर्बानियों को, जो उन्होंने हमारे लिए कीं,
काट रहे हैं उनकी छांव को, जिनके नीचे जिंदगी जी।
मत भूलो इन बूढ़े पेड़ों को, ये घर की असली शान हैं,
इनके ही आशीर्वाद से, बनते सब काम महान हैं।
जब तक हैं ये ज़िंदा, घर में बरकत रहती है,
इनके अनुभवों की धारा, जीवन को सही राह देती है।
सेवा करो तुम दिल से उनकी, मत छोड़ो तन्हाई में,
भगवान बसते हैं माता-पिता
में, न ढूंढो उन्हें परछाईं में।
यह बूढ़ा पेड़ गिरेगा जब,
तो साया कौन देगा तुम्हें?
संकट के काले बादलों में,
रास्ता कौन दिखाएगा तुम्हें?
सहेज कर रखो इस अनमोल
धरोहर को, ये लौटकर न आएंगे,
चले गए जो एक बार, तो
बस याद बनकर रह जाएंगे।
माता-पिता भगवान का रूप
हैं, इनका मान बढ़ाना तुम,
बूढ़े पेड़ की छांव में,
अपना शीश झुकाना तुम।

लेखिका

नीता पांडे

यदि आप दैनिक समाचार पत्र प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया मो. 9329033433 पर संपर्क करें..

शब्दवर्गपहेली क्र.- 185

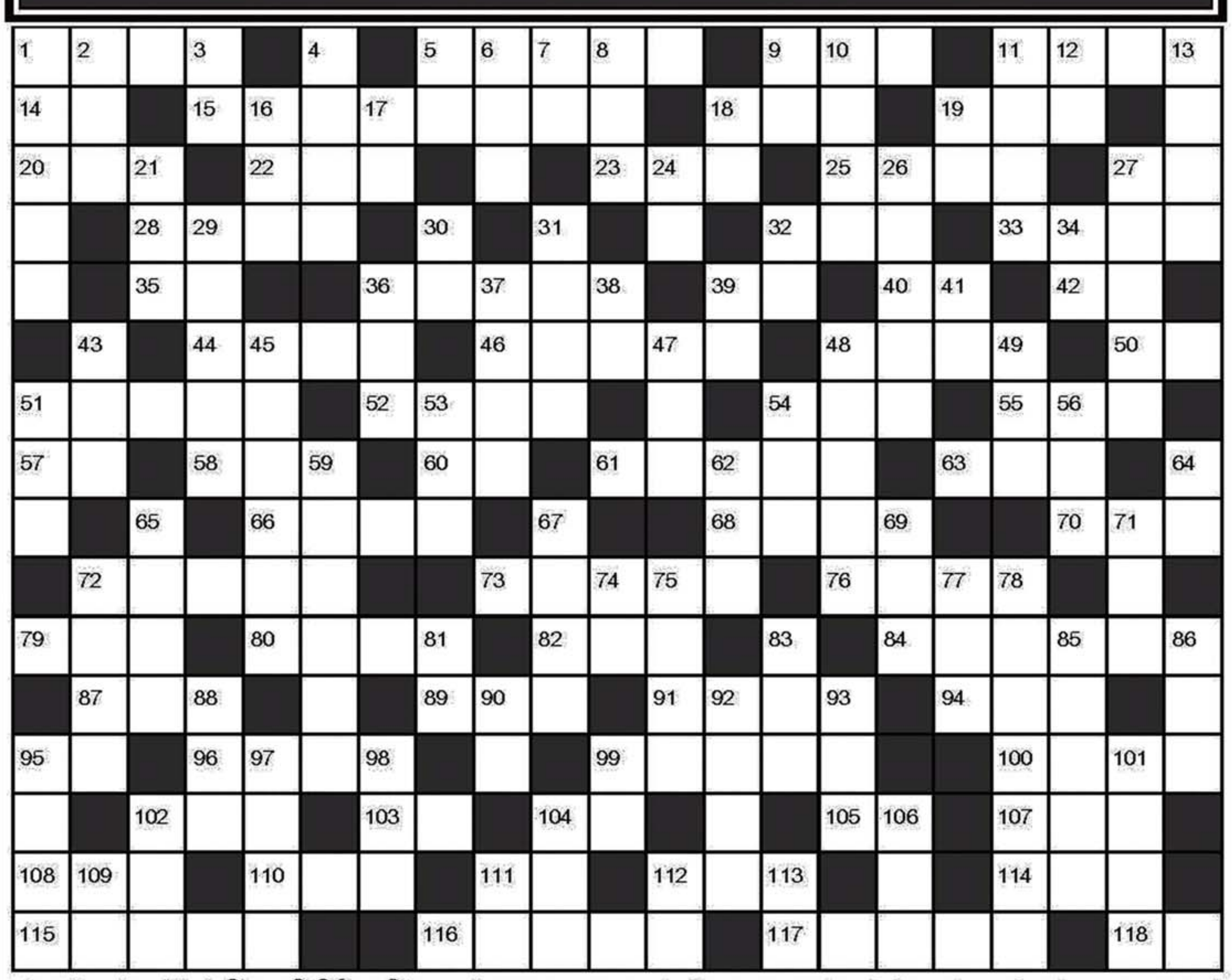

ck;: l: nk;: l&1) खिन्न, निर्लिप्त, निष्पक्ष 5) हलफनामा 9) एक प्रकार का सांप 11) नादान, मूर्ख 14) मूल्य 15) दोष निकालना इस अर्थ का एक मुहावरा 18) योग्य 19) उ.प्र. की एक नदी जिसके किनारे लखनऊ शहर बसा है। 20) हत्या 22) नाशवान 23) बड़ा पक्का मकान 25) गेंहू की एक किस्म 27) एक ऊंचा पेड़ 28) एक ही माता के उदर से उत्पन्न संतान 32) एक ऋतु 33) जलना 35) एक ही प्रकार की वस्तुओं की पंक्ति 36) साम्राज्य 39) भगवान 40) पवन 42) बुरी आदत 44) करीब करीब 46) लहरीला 48) धर्म 50) समय 51) अरुणाचल प्रदेश की राजधानी 52) सप्ताह का एक दिन 54) मनुष्य 55) बगावत, विद्रोह 57) प्रस्थान करना 58) नामवाला 60) धन, दौलत, सम्पत्ती 61) सिकंदराबाद का जुड़वां शहर 63) सूजी का बनाया हुआ एक मीठा व्यंजन 66) कम खर्च करनेवाला 68) मुंह से निकले शब्द 70) खोज 72) मकड़ी का जाला 73) निरन्तर 76) ओशो, चांद 79) ठंड़, जुकाम 80) कसकर बांधना 82) एक दर्जन 84) काटना या काटकर अलग करना आशय का एक मुहावरा 87) ओर 89) अवधि 91) प्रतिनिधी 94) डंड़े में लगी हुई एक प्रकार की कपड़े की मोटी बत्ती जिसे उजाले के लिये जलाया जाता है 95) 'चाबना' का आज्ञार्थी रुप 96) पंजाब के अकाली दल के एक प्रमुख नेता का कुलनाम 99) सत्यनिष्ठ, सत्यपरायण 100) डर, आतंक 102) अन्न, धान्य 103) अभिमान 104) घमंड, नशा 105) संजय दत्त और कुमार गौरव द्वारा अभिनीत एकमात्र फिल्म 107) बिना काम धंदेवाला 108) एक पक्षी 110) मंशा, मन का आशय 111) अधिकार 112) थोड़ा 114) धनहीन 115) खींचतानी 116) कदर करनेवाला 117) सबसे बड़ा या महान 118) दलील, मीमांसा

Åij l: ulp: l& 1) नियम, सिद्धांत आदि को अच्छी तरह के बोधगम्य तथा स्पष्ट करने के लिए उपस्थित किए हुए तथ्य 2) आंचल 3) आर्द्रता 4) चार धामों में से एक 5) नवग्रहों में से एक 6) परिपक्व करना 7) स्थान, सुखी जमीन 8) आश्रय 9) दाई 10) श्रमिक 11) नामांकित 12) साध्वी, पति परायण 13) लड़ना, कलह करना 16) पति की बहन 17) गधा 18) बनावटी, झूठा (दस्ताऐवज आदि)19) गौर वर्ण का 21) वंश 24) गति 26) अपचन 27) शक्तिशाली 29) स्पर्धा होना या बाजी लगना अर्थ का मुहावरा 30) किनारा 31) श्रीकृष्ण, मन हरनेवाला 32) लाश 34) निराकरण, समाधान (गणित या किसी समस्या का) 36) अयोध्या के एक प्रसिद्ध राजा, जिसके नाम पर समुद्र का नाम 'सागर' पड़ा 37) खड्ग 38) गीला 39) विलंब 41) प्रशंसा सूचक एक शब्द 43) किसी गड्ढे को मिट्टी आदि से बंद करना 45) क्रोधी, जल्द क्रोधित होनेवाला 47) बेटी का पति 48) सहायता करनेवाला 49) कांख, बाजू 51) खोज, आविष्कार 53) विजेता 54) बसाया हुआ 56) स्याही रखने का पात्र 59) हत्या, वध करना 62) महाराष्ट्रीयनों का एक कुल नाम 64) बेहोशी 65) भाग्य 67) बिहार का एक खदानों के लिये प्रसिद्ध शहर 69) धोबी 71) मजबूर 72) बार 74) दूल्हा 75) मार्गदर्शक 77) एक रत्न 78) फिल्म जगत के पुराने जमाने की एक मशहूर गायिका 81) मशहूर 83) भविष्य में 85) झगड़ालू 86) नाई 88) शोभा देना 90) दोस्ती 92) अपमान, अनादर 93) विदीर्ण करना 95) डुबा हुआ, भरपूर, चमकदार, उज्ज्वल 97) चन्द्रमा 98) किसी वस्तू के निर्माण करने में लगनेवाला खर्च 99) मुस्लिम त्यौहार 101) नीबू आदि के रस से बनाया जानेवाला पेय 102) प्रजा 104) दसवी राशी 106) कामदेव 109) सिगरेट के धुएं का घूंट 111) सीमा 112) शरीर 113) न्यून, अल्प (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

फै	स	ला	■	स्व	र	को	कि	ला	■	ब	द	दु	आ	■	मे	ह	न	ता	ना	■
र	मा	■	व	र्ण	न	■	ला	ज	ना	■	स्यु	■	म	द	न	■	त	रा	श	ना
न	चा	ना	■	ज	■	कै	■	वं	■	वि	■	बे	द	र	का	र	■	म	■	दि
ही	र	क	ज	यं	ती	■	स	ती	श	शा	ह	■	नी	■	गा	जा	■	ती	स	रा
ट	प	■	न	ती	ज	त	न	■	क	ल	र	व	■	आ	धी	■	ह	■	ह	■
■	त्र	स्त	ता	■	न	र	म	द	ल	■	क	न	प	टी	■	दि	या	स	ला	ई
खु	■	र	द	■	बा	ल	■	शा	■	पा	त	क	■	नं	द	न	■	खा	ना	■
ले	ख	■	ल	ड़ा	ई	■	अ	न	जा	न	■	र्मी	■	ब	ल	शा	ली	■	■	मे
आ	ल	स	■	■	■	ज	मा	न	त	दा	र	■	पा	र	द	■	ला	■	त	ह
म	■	ह	जा	री	बा	ग	■	■	क	न	क	■	ल	व	ली	न	■	शं	क	र
■	इ	ना	य	त	■	त	क	नी	क	■	म	न	■	न	■	दी	र्घ	का	ली	न
ना	जा	य	ज	■	खु	■	रो	क	था	म	■	ख	फा	■	रो	म	■	लु	■	ज
ग	ज	क	■	ब	द	ल	ना	■	ऐ	ग	ल	■	रि	वा	ज	■	जं	■	क	र
वा	त	■	मा	ह	■	वं	■	व	■	न	व	रं	ग	■	गा	ली	ग	लौ	च	■
र	■	आ	या	रा	म	ग	या	रा	म	■	ण	■	■	ग	र	ल	■	कि	ना	रा
■	धा	रा	वी	■	र्द	■	र	ह	नु	मा	■	क	ब	ड्डी	■	ना	गा	क	र	ना

anumeya-08446302691

प्रज्ञानानंदा ने शतरंज की दुनिया में रचा इतिहास, नॉर्वे चेस जीतने वाले बने पहले भारतीय, पीएम मोदी ने दी बधाई..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की और इस खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

चेन्नई के 20 साल के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने ने इस खिताब को जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टूर्नामेंट के आखिरी दिन वह 15 अंक लेकर तीसरे पायदान पर थे, लेकिन अंतिम और निर्णायक मैच में उन्होंने क्लासिकल राउंड जीतकर पूरे 3 अंक बटोरे। इसके साथ ही उन्होंने कुल 18 अंकों के साथ चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

पीएम मोदी ने दी प्रज्ञानानंदा को बधाई..

नॉर्वे चेस चैंपियनशिप जीतने के बाद पीएम मोदी ने भी प्रज्ञानानंदा को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि प्रज्ञानानंदा को इस शानदार कामयाबी के लिए बधाई! यह सच में एक जबरदस्त माइलस्टोन है जो उनकी लगातार बेहतरीन काम को दिखाता है। उनके आगे के मैचों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में प्रज्ञानानंदा ने की शानदार वापसी..

दूसरी बार इस नॉर्वे चेस का हिस्सा बने प्रज्ञानानंदा की शुरुआत इस टूर्नामेंट में धीमी रही, लेकिन प्रतियोगिता के सेकंड हाफ में उन्होंने शानदार वापसी की।

उनके पूरे सफर का सबसे शानदार पल तब आया जब उन्होंने दुनिया के नंबर-वन खिलाड़ी और सात बार के नॉर्वे चेस विजेता मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल चेस में दो बार मात दी। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में फीके प्रदर्शन के बाद, उन्होंने जो वापसी की वो तारीफ के काबिल है। अंतिम राउंड की शुरुआत से पहले अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो 15.5 अंकों के साथ खिताबी रेस में सबसे आगे चल रहे थे।

मगर अंतिम मैच में अलीरेजा फिरूजा के खिलाफ उनका क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ, जिसके कारण मैच आर्मागेडन टाईब्रेकर में चला गया। इस मैच के साथ ही प्रज्ञानानंदा के लिए रास्ता साफ हो गया, क्योंकि वह जानते थे कि विन्सेंट कीमर के खिलाफ क्लासिकल मैच जीतते ही वह पहले स्थान पर आ जाएंगे।

कप्तानी के दबाव के कारण सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित नहीं कर सके..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

पिछले वर्ष के अंत में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने छात्रों के साथ संवाद में अपने प्रदर्शन को लेकर उठे सवालों का जवाब हल्के-फुल्के अंदाज में दिया था।

एक छात्र ने तब 2025 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की 19 पारियों में उनके 218 रन के अपेक्षाकृत कम स्कोर के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'मेरे 14 सिपाही मेरा काम संभाल रहे हैं, उन्हें पता है कि जिस दिन मैं चल पड़ा, क्या होगा।' यह टिप्पणी उस दौर की ओर संकेत करती है जब भारतीय टीम लगातार जीत दर्ज कर रही थी, लेकिन कप्तान के रूप में सूर्यकुमार का व्यक्तिगत प्रदर्शन चर्चा का विषय बना हुआ था। उनका ध्यान व्यक्तिगत योगदान से अधिक टीम

प्रबंधन पर केंद्रित होता चला गया, जिससे उनकी बल्लेबाजी प्रभावित होती दिखाई दी। पेशेवर खेल की दुनिया में, हालांकि, सिर्फ प्रदर्शन को ही प्रमुख पैमाना माना जाता है। पैंतीस वर्ष की आयु पार कर चुके सूर्यकुमार यादव के लिए अब अपने 113 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 3272 रनों के आंकड़े में उल्लेखनीय इजाफा करना कठिन माना जा रहा है। यह टिप्पणी उस स्थिति की ओर संकेत करती थी जिसमें वे लंबे समय तक चले खराब फॉर्म के बावजूद मानसिक रूप से सहज दिखाई दे रहे थे। कई बार उनका आत्मविश्वास आत्ममुग्धता की सीमा को छूता प्रतीत होता था।

उनके गिरते प्रदर्शन की खास बात यह रही कि वे एक ऐसे बल्लेबाज के रूप में कप्तान बने थे जिन्होंने टी20 क्रिकेट की बल्लेबाजी की परिभाषा बदलने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन कप्तानी संभालने के बाद ऐसा लगा कि उन्होंने बल्लेबाजी को पीछे और नेतृत्व को आगे रख दिया। उनका यह कथन कि 'मेरे 14 खिलाड़ी मेरा काम कर रहे हैं' कई लोगों को अपरिपक्व भी लगा। समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि जब कप्तान लगातार रन नहीं बनाता, तो ड्रेसिंग रूम में उसका प्रभाव भी प्रभावित होता है। लंबे समय तक खराब फॉर्म में रहने पर योजनाओं को लागू कराना भी कठिन हो जाता है। उनकी बल्लेबाजी में गिरावट 2023 वनडे विश्व कप के बाद से मानी जाती है। तत्कालीन कोच राहुल द्रविड़ ने भी संकेत दिया था कि उन्हें केवल ऑफ साइड के बजाय मैदान के अन्य हिस्सों में भी शॉट्स विकसित करने होंगे।

उनकी बल्लेबाजी शैली, विशेषकर कलाईयों पर आधारित प्रसिद्ध 'सुप्ला शॉट' समय के साथ विपक्षी गेंदबाजों द्वारा पढ़ लिया गया। इसके बाद शरीर पर आने वाली सीधी गेंदें उनके लिए लगातार चुनौती बनी रहीं। टी20 टीम की कप्तानी को लेकर भी बीते समय में कई बार चर्चा हुई। 2024 में टी20 विश्व कप जीत के बाद नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाएं सामने आईं, जिसमें चयन समिति और टीम प्रबंधन के बीच विभिन्न विचार देखने को मिले। अंततः सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाए रखने का निर्णय लिया गया, हालांकि इसके पीछे कई आंतरिक कारक भी बताए जाते हैं।

टीम के एक बेहद अनुभवी खिलाड़ी से जब कप्तानी के बारे में राय ली गई तो उन्होंने सूर्यकुमार का पक्ष लिया। यह बात भी किसी से छुपी नहीं है कि सूर्यकुमार और हार्दिक पांड्या के बीच ड्रेसिंग रूम में संबंध उतने सहज नहीं बताए जाते। एशिया कप की जीत सूर्यकुमार यादव के लिए वरदान साबित हो सकती थी, लेकिन अंततः यह उनके लिए अभिशाप जैसी बन गई। टूर्नामेंट के दौरान भारत ने पाकिस्तान को तीन बार हराया, लेकिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों टीमों के बीच तनाव और अधिक बढ़ गया।

टूर्नामेंट में सूर्यकुमार यादव द्वारा अपने पाकिस्तानी समकक्ष सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाने और जीत को भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करने के बाद वह कई भारतीय प्रशंसकों के बीच एक 'नायक' की तरह बन गए। कुछ लोगों का यह भी मानना था कि इस तरह के विवाद की आवश्यकता नहीं थी। इस फैसले पर अलग-अलग मत सामने आए। लेकिन उन्हें अपने आक्रामक स्वभाव वाले कोच गौतम गंभीर का समर्थन प्राप्त था।

इसके बावजूद, पूरे टूर्नामेंट में उनकी खराब फॉर्म सबसे अधिक चर्चा का विषय रही। छह पारियों में मात्र 72 रन बनाने के बाद एक पत्रकार द्वारा उनकी बल्लेबाजी पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा था, 'मैं आउट ऑफ रन हूं, आउट ऑफ फॉर्म नहीं,' लेकिन यह बयान उनकी स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट नहीं कर सका। विशेषज्ञों का मानना है कि कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों भूमिकाओं के बीच संतुलन बनाए रखना उनके करियर की सबसे बड़ी चुनौती बन गया। इसके बाद घरेलू सरजमीं पर हुए विश्व कप में भी अमेरिका के खिलाफ मैच को छोड़कर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा।

सूर्यकुमार यादव ने ओलंपिक और 2028 में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने के सपने को लेकर भी बात की थी। टी20 विश्व कप के बाद टीम चयन से जुड़े बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा था, 'हर किसी को सपने देखने का अधिकार है। सिर्फलॉस एंजिलिस 2028 ही नहीं, बल्कि ब्रिस्बेन 2032 और अगर 2036 में अहमदाबाद मेजबानी करता है, तब भी। लेकिन अगली श्रृंखला तक पहुंचने के लिए सिर्फ रन ही उन्हें आगे ले जाएंगे।' सूर्यकुमार के लिए आईपीएल का बीता सत्र भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने धमाकेदार अंदाज में आगाज किया, लेकिन लय को बरकरार नहीं रख सके।

आशिष पुर्ती की हैट्रिक से भारत ने जापान को 4-1 से हराकर अंडर-18 एशिया कप जीता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

आशिष पुर्ती की शानदार हैट्रिक की बदौलत भारत ने मेजबान जापान को 4-1 से हराकर शनिवार को यहां पुरुष अंडर-18 एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पुर्ती ने दूसरे, 28वें और 34वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की।

कप्तान केतन कुशवाहा ने 30वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को और मजबूत किया। जापान की ओर से एकमात्र गोल नुमादा गाकू ने 52वें मिनट में किया। भारतीय हॉकी ने स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन लाख रुपये और सहयोगी सदस्यो को डेढ़ लाख रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। इसके साथ ही महिला अंडर-18 टीम के कांस्य पदक जीतने पर प्रत्येक खिलाड़ी को एक लाख रुपये और सहयोगी सदस्यों को 50,000 रुपये देने की भी घोषणा की गई।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही भारत ने दबदबा बनाते हुए 90 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया, जिसे पुर्ती ने गोल में बदल दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 1-0 से आगे था

जबकि जापान ने कुछ आक्रामक प्रयास किए लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति को भेद नहीं सका। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने बढ़त बनाए रखी। जापान ने बराबरी की कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उनके हर प्रयास को नाकाम कर दिया। इसके बाद 28वें मिनट में पुर्ती ने एक और शानदार गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके तुरंत बाद प्रह्लाद राजभर ने गेंद छीनकर कप्तान कुशवाहा को पास दिया, जिन्होंने सटीक फिनिश कर हाफटाइम तक स्कोर 3-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में आक्रामक खेल जारी रखा।

वरिंदर सिंह की शानदार मूव के बाद मिले पेनल्टी कॉर्नर को पुर्ती ने 34वें मिनट में गोल में बदलकर हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिलाई। अंतिम क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 किया, लेकिन यह केवल सांत्वना भर रहा। इसके बाद जापान को कुछ

और मौके मिले, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। पुर्ती को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 13 गोल कर शीर्ष स्कोरर का खिताब भी हासिल किया।

26/11 की असली हीरो अंजलि कुल्थे, जिसने 20 गर्भवती महिलाओं की बचाई थी जान, अब कंगना रनौत की फिल्म में दिखेगी बहादुरी की कहानी..

डेस्क जगप्रेरणा।

26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के बारे में सुनते ही लोगों के दिमाग में ताज होटल, CST रेलवे स्टेशन और आतंकवादियों के निशाने पर रही दूसरी जगहों पर मची अफरा-तफरी याद आती है।

इस घटना से जुड़ी कई कहानियां से लोग आज भी अनजान है, जो बहुत ही कम चर्चा में रही है। ऐसी ही एक कहानी नर्स अंजलि कुल्थे की है। 26 नवंबर 2008 की वो भयानक रात, जब आतंकवादी मुंबई के कामा अस्पताल में घुसे तो नर्स अंजलि ने अपनी जान की परवाह करें बिना वहां मौजूद सबसे कमजोर लोगों की सुरक्षा की। अब इस रियल लाइफ हीरो की कहानी कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में देखने को मिलेगी।

बहादुर नर्स की कहानी पेश करेंगी कंगना रनौत..

कंगना रनौत हमेशा अपनी सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्मों को लेकर चर्चा में रहती हैं, क्योंकि उन्हें पर्दे पर इस तरह की कहानी दिखाना पसंद है। अब 16 साल बाद एक्ट्रेस कंगना रनौत असली हीरो अंजलि कुल्थे की शानदार कहानी 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म के जरिए लोगों तक पहुंचने के लिए हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस कंगना रनौत बहादुर नर्स के किरदार में नजर आने वाली हैं।

अंजलि कुलथे की बहादुरी की कहानी..

अंजलि कुल्थे कामा हॉस्पिटल में ड्यूटी पर थीं तभी उन्हें खबर मिली कि ष्टस्त्र पर हमला करने वाले आतंकवादी हॉस्पिटल के अंदर घुसने वाले हैं। उन्होंने उस दिन अपनी परवाह किए बिना 20 गर्भवती महिलाओं की जान बचाई। एनडीटीवी को दिए एक पुराने इंटरव्यू में कुल्थे ने बताया कि उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी और फिर देखा कि आतंकवादी सुरक्षाकर्मियों को गोली मारकर हॉस्पिटल के अंदर घुस रहे हैं, जब पूरी बिल्डिंग में हलचल मच गई तो उन्हें तुरंत एहसास हुआ कि जिन मरीजों की देखभाल की जिम्मेदारी उन पर है, उन्हें सुरक्षित करना जरूरी है। वहां से भागने के बजाय उन्होंने वार्ड में मौजूद 20 गर्भवती महिलाओं को इकट्ठा किया और उन्हें बचा लिया।

'भारत भाग्य विधाता' कब होगी रिलीज..

'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को रिलीज होने वाली है। ये फिल्म अपनी कहानी की वजह से सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में है, जब से इस फिल्म का ऐलान हुआ है तब से लोग इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दोस्ती में आई दरार! तेजस्वी प्रकाश ने अंकिता लोखंडे को दिया धोखा? कृष्णा अभिषेक ने भड़काई चिंगारी..

डेस्क जगप्रेरणा।

लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3 का मेकर्स ने एक नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें तेजस्वी प्रकाश और अंकिता लोखंडे के बीच लड़ाई देखने को मिली। सोशल मीडिया पर 'लाफ्टर शेफ्स 3' के अपकमिंग एपिसोड का ये मजेदार सीन छाया हुआ है,

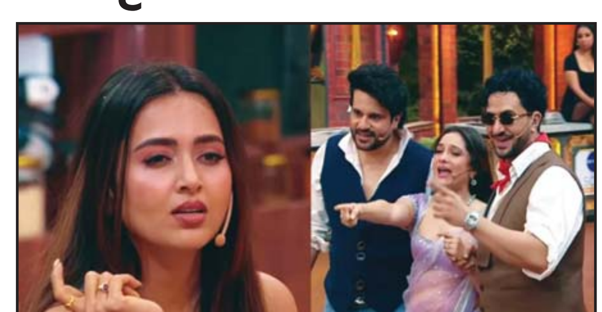

जिसे देख आप भी लोटपोट हो जाएंगे। दोनों को एक-दूसरे से झगड़ा करते देख वहां मौजूद सभी लोग हंसाने लगाते हैं और यह लड़ाई कृष्णा अभिषेक की वजह से होती है, जिसमें अली गोनी उनका साथ देते हैं। वहीं, शो की होस्ट भारती सिंह भी उन्हें देख हंसाने लगती हैं।

तेजस्वी प्रकाश-अंकिता लोखंडे में हुई लड़ाई..

'तेजा ने दिया धोखा, अंकिता का उठ गया भरोसा!' कैप्शन के साथ यह वीडियो इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें देखने को मिलता है कि पहले अंकिता टीवी एक्ट्रेस तेजा पर प्यार लुटाती हैं।

इसी दौरान कृष्णा अभिषेक उनके पास आते हैं और दोनों के प्यार को लड़ाई में बदल देते हैं। कृष्णा ने अंकिता को तेजस्वी का एक वीडियो दिखाते हैं, जिससे देख वह हैरान रह जाती हैं। इस हंगामे के बीच कृष्णा अभिषेक के सात अली ने भी मजाक-मजाक में आग में घी डालने का काम किया, जिससे माहौल और भी मजेदार हो गया।

तेजस्वी-अंकिता के वायरल वीडियो का सच..

'लाफ्टर शेफ्स 3' के नए प्रोमो की शुरूआत अंकिता के यह कहने से होती है कि तेजा है नंबर 6 शो में हो गई है फिक्स और बाद में उसे गले लगाती हैं। इस बीच कृष्णा अभिषेक की एंट्री होती है और वह कहते हैं कि बहुत दोस्ती दिखा रही हो अपनी फ्रेंड का सच देखो भोजी।

बता दें कि वीडियो में जो भी दिखाया गया है, वह सिर्फ मनोरंजन के लिए है। दोनों के बीच लड़ाई नहीं हुई है। ये स्क्रिप्ट का हिस्सा है।

वीडियो में आगे दिखाया जाता है कि तेजस्वी प्रकाश विक्की जैन से कहती है- यार इसे शो से निकालना चाहिए। यह देख अंकिता हैरान रह जाती है और कहती हैः

यशपाल शर्मा ने निया को किया रोस्ट..

'लाफ्टर शेफ्स 3' के दूसरे प्रोमो में यशपाल शर्मा एंट्री करते दिखाई देते हैं और निया शर्मा की हरकत देख कहते हैंः कौन करेगा इसे शादी? कृष्णा अभिषेक इस मौके का फायदा उठाते हुए एक्ट्रेस का मजाक उड़ाते हैं।

जब नाना पाटेकर का सख्त रवैया देखकर बिफर पड़ीं मधू, शूटिंग के बीच ही जड़ दिया थप्पड़, ग्लिसरिन पर खड़ा हुआ था बखेड़ा..

डेस्क जगप्रेरणा।

नाना पाटेकर अपने दमदार अभिनय के साथ-साथ अपने सख्त रवैये के लिए भी जाने जाते हैं। वह अपने काम में न तो किसी तरह की कोताही करते हैं और न ही ये बात बर्दाश्त करते हैं कि कोई और ऐसा करे।

फिल्म्स के सेट पर उनके गुस्से और सख्त रवैये के चर्चे कई बार सुनने को मिल चुके हैं। अब एक्ट्रेस मधू शाह ने भी नाना पाटेकर से जुड़ा एक ऐसा ही किस्सा साझा किया है। मधू शाह ने 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'यशवंत' में नाना पाटेकर के साथ काम किया था। इस फिल्म में उन्होंने नाना पाटेकर की पत्नी की भूमिका निभाई थी। अब उन्होंने इस फिल्म के एक इंटेंस सीन के बारे में बात की और बताया कि कैसे उन्होंने शूटिंग के दौरान नाना पाटेकर को सच में थप्पड़ मार दिया था।

मधू शाह ने नाना पाटेकर को मार दिया था थप्पड़..

नाना पाटेकर ने हमेशा से ही अपने सख्त रवैये को लेकर सुर्खियां बटोरी हैं। अब 1997 की ऐसी ही एक घटना सामने आई है, जो फिल्म 'यशवंत' की शूटिंग से जुड़ा है। फिल्म के एक सीन की शूटिंग के दौरान नाना पाटेकर ने अपनी को-एक्टर मधू शाह को थप्पड़ मार दिया था और पलटकर अभिनेत्री ने भी उन्हें थप्पड़ मार दिया। मधू शाह ने बताया कि ये एक महत्वपूर्ण सीन था, जिसकी शूटिंग के दौरान वह नाना पाटेकर के सख्त रवैये से परेशान हो गई थीं।

मधू को ग्लिसरीन के इस्तेमाल से रोका..

अनिल मट्टू द्वारा निर्देशित 'यशवंत' में मधू और नाना ने पति-पत्नी की भूमिका निभाई थी। अब हाल ही में मधू शाह ने 'हिंदी रश' के साथ बातचीत में फिल्म से जुड़ी पूरी घटना के बारे में बात की उस सीन के बारे में बताया, जिसमें उन्हें रोना था। सीन के लिए जब उन्होंने ग्लिसरीन लगाने की कोशिश की तो नाना ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि कलाकार को अपने किरदार को और उसकी भावनाओं को महसूस करना चाहिए, ताकि आंसू भी स्वाभाविक रूप से ही आने चाहिए, न कि ग्लिसरीन के इस्तेमाल से। मगर वह उस सीन में पूरी तरह भावुक नहीं हो पा रही थीं, ऐसे में नाना उन्हें बार-बार किरदार में डूबकर अभिनय करने की सलाह दे रहे थे। मगर जब बात नहीं बन सकी तो उन्होंने एक ऐसा कदम उठा लिया, जिसकी किसी को भी उम्मीद नहीं थी।

असली थप्पड़ पड़ते ही आ गए आंसू..

मधू बताती हैं कि जब उनके आंसू नहीं आ रहे थे तो नाना पाटेकर ने अचानक ही उन्हें थप्पड़ मार दिया, जिसस हर कोई हैरान रह गया। ये इतना अचानक था कि वह खुद भी हैरान रह गईं और उनकी आंखों में आंसू आ गए, इसके बाद डायरेक्टर को वो भाव मिल गए, जो उन्हें मधू से चाहिए थे। मगर नाना पाटेकर का ये तरीका मधू को जरा भी पसंद नहीं आया और अचानक पड़े थप्पड़ के चलते गुस्से से भर गईं और पलटकर नाना पाटेकर को थप्पड़ मार दिया।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

मध्यप्रदेश ने लातिन अमेरिका एवं कैरेबियाई देशों के साथ व्यापार, निवेश बढ़ाने पर दिया जोर

इंदौर, (भाषा)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को लातिन अमेरिकी एवं कैरेबियाई देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंध मजबूत करने की वकालत करते हुए कहा कि इन देशों को राज्य का

निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 19 प्रतिशत बढ़कर लगभग 3,835 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यादव ने कहा कि दवा, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लॉजिस्टिक जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित 'भारत-लातिन अमेरिका एवं कैरेबियाई व्यापार एवं निवेश मंच 2026' का उद्घाटन करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है और मध्यप्रदेश इस विकास यात्रा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।''

उन्होंने कहा कि भौगोलिक दूरियां चाहे जितनी भी हों, सांस्कृतिक मूल्य, प्रकृति के प्रति सम्मान, लोक परंपराएं, संगीत और सामाजिक जीवन की अनेक समानताएं भारत और लातिन अमेरिका एवं कैरेबियाई देशों को निकट लाती हैं। ये समानताएं भविष्य के द्विपक्षीय सहयोग की मजबूत आधारशिला बन सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि वित्त वर्ष 2025-26 में लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों को मध्यप्रदेश का निर्यात लगभग 3,835 करोड़ रुपये रहा जो इसके एक साल पहले की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है।

यादव ने सम्मेलन में दवा, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, खनन, लॉजिस्टिक, विनिर्माण और पर्यटन के क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी बढ़ाने की व्यापक संभावनाओं पर गौर किए जाने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि फिलहाल मध्यप्रदेश से दुनिया भर में हर साल करीब 70,000 करोड़ रुपये का निर्यात होता है और उनकी सरकार दिसंबर 2028 तक इसे बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचाने के लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्ध है।

भारत में उरुग्वे के राजदूत अल्बर्टो एंटोनियो गुआनी अमरिला ने उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जो महत्वाकांक्षी दृष्टि प्रस्तुत की है, मध्यप्रदेश की उपलब्धियां इसकी उत्तम अभिव्यक्ति हैं।

उन्होंने भरोसा जताया कि मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के कारण लातिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे तथा निवेश और औद्योगिक सहयोग के नये अवसर विकसित होंगे।

अमरिला ने बताया कि समुद्री बंदरगाहों के जरिये माल की आवाजाही तेज करने के लिए लातिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों और भारत के बीच संपर्क मजबूत किया जा रहा है।

सम्मेलन में उरुग्वे, क्यूबा, अल सल्वाडोर, पनामा, गुयाना, ग्वाटेमाला, पेरू और मैक्सिको समेत 15 देशों के राजनयिक प्रतिनिधियों समेत करीब 300 लोग शामिल हुए जिनमें मध्यप्रदेश के निर्यातक भी शामिल हैं।

सम्मेलन के दौरान मध्यप्रदेश में अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश अवसरों, औद्योगिक अधोसंरचना और निर्यात क्षमता को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने पेश किया गया।

इस दौरान राज्य सरकार ने लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों के साथ निर्यात अवसंरचना सहयोग मजबूत करने के लिए कई प्रस्ताव भी रखे।

ये प्रस्ताव निर्यात सुविधा केंद्र और गुणवत्ता परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्रों की स्थापना, निर्यात केंद्रों के उन्नयन, खरीदार-विक्रेता संपर्क बढ़ाने, निर्यात वित्त एवं जोखिम कवरेज उपलब्ध कराने और निर्यातकों के कौशल विकास पर केंद्रित हैं।

भारत की कुछ सरकारी एजेंसियों, निजी कंपनियों को एंथ्रोपिक के 'मिथोस' मॉडल तक पहुंच मिली..

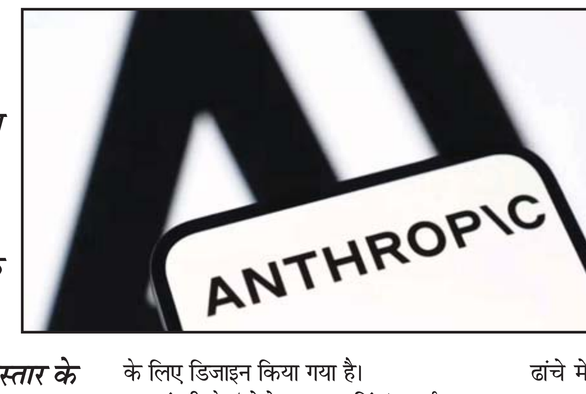

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकारी एजेंसियों और निजी क्षेत्र की कुछ भारतीय कंपनियों को अमेरिकी कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक के उन्नत एआई मॉडल 'मिथोस' तक पहुंच मिली है। यह पहुंच कंपनी के 'प्रोजेक्ट ग्लासविंग' कार्यक्रम के विस्तार के तहत दी गई है।

सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि मिथोस तक पहुंच हासिल करने वाले भारतीय संगठनों की संख्या फिलहाल एकल अंक में ही है और इनमें सरकारी एवं निजी, दोनों तरह की संस्थाएं शामिल हैं।

हालांकि, सूत्रों ने मिथोस तक पहुंच हासिल करने वाली भारतीय संस्थाओं के नाम उजागर नहीं किए। इस संबंध में टिप्पणी के लिए एंथ्रोपिक को भेजे गए ईमेल का अब तक कोई जवाब नहीं आया है। 'मिथोस' एंथ्रोपिक का उन्नत एआई मॉडल है, जिसे सॉफ्टवेयर में सुरक्षा खामियों की पहचान करने और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है।

कंपनी के 'प्रोजेक्ट ग्लासविंग' कार्यक्रम का उद्देश्य अहम डिजिटल प्रणालियों को साइबर हमलों से सुरक्षित बनाना है। इसके तहत चुनिंदा संगठनों को 'क्लॉड मिथोस प्रीव्यू' नामक उन्नत एआई मॉडल का उपयोग करने दिया जाता है।

अप्रैल में इस पहल की शुरुआत के समय करीब 50 वैश्विक साझेदारों को इसका हिस्सा बनाया गया था। पिछले सप्ताह इस कार्यक्रम का विस्तार कर 15 से अधिक देशों के लगभग 150 अतिरिक्त संगठनों को इससे जोड़ा गया जिनमें बिजली, जल, स्वास्थ्य, संचार एवं हार्डवेयर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े संस्थान शामिल हैं।

एंथ्रोपिक ने दो जून को एक बयान में कहा था, ''नए साझेदारों में कई विक्रेता शामिल हैं। ये ऐसी कंपनियां या गैर-लाभकारी संगठन हैं, जो ऐसे कोडबेस का रखरखाव करते हैं, जिन पर सरकारों समेत दुनिया भर के कई संगठन निर्भर करते हैं।''

कंपनी ने कहा कि साझेदार संगठन वे होते हैं, जिन पर सफल साइबर हमले का व्यापक प्रभाव पड़ सकता है और कुछ मामलों में इससे 10 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हो सकते हैं।

मिथोस मॉडल तक पहुंच मिलने से भागीदार संगठनों को अपने डिजिटल ढांचे में सुरक्षा खामियों का पता लगाने, सुरक्षा व्यवस्था का परीक्षण करने और कमजोर सॉफ्टवेयर प्रणालियों में तेजी से सुधार करने में मदद मिलेगी।

कंपनी के अनुसार, इस पहल के तहत अब तक 10,000 से अधिक गंभीर सॉफ्टवेयर खामियों की पहचान की जा चुकी है।

इस बीच, एंथ्रोपिक ने अपने एक ब्लॉग में अग्रणी एआई प्रयोगशालाओं से एआई के तेज विकास को लेकर सावधानी बरतने का अनुरोध किया है।

कंपनी ने कहा कि अत्यधिक उन्नत एआई प्रणालियां भविष्य में अपनी क्षमता को खुद ही तेजी से बढ़ा सकती हैं, जिससे मानवीय निगरानी से आगे निकलने की स्थिति बन सकती है और व्यापक सामाजिक जोखिम पैदा हो सकते हैं।

सरकार ने खाद्य तेलों की पैकिंग के मानक आकार तय किए..

नई दिल्ली, (भाषा)।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने खाद्य तेलों के पैक के लिए तय आकार निर्धारित किए हैं, ताकि उपभोक्ता अलग-अलग ब्रांडों की कीमत आसानी से तुलना कर सकें और सही खरीद फैसला ले सकें।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, विभाग ने खाद्य तेलों एवं वसा के शुद्ध मात्रा निर्धारण तथा मानक पैक आकार से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में संशोधन किया है। इसके तहत विनिर्माताओं, पैक करने वालों और आयातकों को नए नियमों का पालन करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है।

संशोधित एसओपी में प्रमुख खाद्य तेलों के लिए नौ मानक पैक आकार तय किए गए हैं। इनमें 200 मिलीलीटर/ ग्राम, 500 मिलीलीटर/ ग्राम, एक लीटर/ किलोग्राम, दो लीटर/ किलोग्राम, तीन लीटर/ किलोग्राम, चार लीटर/ किलोग्राम, पांच लीटर/ किलोग्राम, 15 लीटर/ किलोग्राम और 20 लीटर/ किलोग्राम शामिल हैं।

यह नियम पाम, सोयाबीन, सूरजमुखी, सरसों, मूंगफली, तिल, राइस ब्रान, कपास बीज और मक्का तेल सहित मिश्रित खाद्य तेलों पर लागू होगा।

यह निर्णय देश के लगभग 90 प्रतिशत खाद्य तेल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख उद्योग संगठनों के साथ व्यापक परामर्श के बाद लिया गया है।

नए मानकों के तहत, यदि खाद्य तेल की मात्रा आयतन में दर्शाई जाती है, तो पैक पर उसका समकक्ष वजन भी स्पष्ट रूप से अंकित करना अनिवार्य होगा, जैसा कि विधिक माप विज्ञान नियम, 2011 में प्रावधान है। ये प्रावधान देश में निर्मित और आयातित दोनों प्रकार के खाद्य तेलों पर लागू होंगे। हालांकि 200 मिलीलीटर/ ग्राम से छोटे आकार वाले पैक और कुछ छोटे स्तर के खाद्य तेलों को मानक पैक आकार के नियम से छूट दी गई है। ऐसा सस्ती छोटी पैकिंग की उपलब्धता को बनाए रखने के लिए किया गया है।

विभाग ने कहा कि जो कंपनियां तय समय-सीमा से पहले ही इन मानक पैक आकारों को अपनाना चाहती हैं, वे तुरंत ऐसा कर सकती हैं।

भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ (आईवीपीए) के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा, ÷इससे बाजार में व्यवस्था बेहतर होगी और सभी कंपनियों के लिए समान प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा।÷

उन्होंने कहा, ÷उद्योग को स्वतंत्रता करने के लिए गैर-मानकीकरण की व्यवस्था की गई थी, लेकिन पिछले तीन वर्षों में इससे बाजार में असंतुलन पैदा हुआ और अलग-अलग पैक के कारण उपभोक्ताओं में भ्रम बढ़ा।÷

पंजाब में 100 साल से अधिक पुरानी सहकारी समिति बदल रही किसानों की जिंदगी..

होशियारपुर, (भाषा)।

पंजाब के होशियारपुर जिले में 100 वर्ष से अधिक पुरानी एक सहकारी समिति ग्रामीण विकास और सामुदायिक सहयोग की मिसाल बनकर उभरी है। यह समिति किसानों को कृषि, वित्तीय एवं बुनियादी सेवाएं उपलब्ध

कराकर उनकी उत्पादकता और जीवन स्तर सुधारने में अहम भूमिका निभा रही है। लंबरा कांगड़ी बहुउद्देश्यीय सहकारी सेवा समिति की स्थापना जुलाई 1920 में 11 सदस्यों के साथ हुई थी। समय के साथ यह एक बहुद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समिति (एम-पैक्स) में बदल गई और अब यह चार गांवों लंबरा, बेरों कांगड़ी, दुडियाना कलां और बग्गेवाल के करीब 3,700 लोगों को सेवाएं दे रही है।

समिति के सचिव-सह-परियोजना प्रबंधक जसविंदर सिंह सैनी ने कहा कि इसके लगभग 1,922 सक्रिय सदस्य हैं और कुल जमा राशि करीब 31 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। समिति ने अब तक लगभग पांच करोड़ रुपये के ऋण कृषि, शिक्षा, आवास, वाहन और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों के लिए दिए हैं।

दैनिक आधार पर लगभग 2,900 लोग समिति की सेवाओं का लाभ लेते हैं। किसानों के लिए यहां कृषि उपकरण किराए पर उपलब्ध कराए जाते हैं और फसलों के प्रसंस्करण के लिए एक कृषि-प्रसंस्करण केंद्र भी स्थापित किया गया है।

समिति के पास 90 से अधिक कृषि उपकरण हैं, जिनमें ट्रैक्टर, हार्वेस्टर एवं रोपाई मशीन के साथ ड्रोन भी शामिल हैं। ड्रोन के जरिए उर्वरकों और कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है, जिससे लागत में कमी और समय की बचत हो रही है। समिति ने लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से कृषि-प्रसंस्करण केंद्र भी स्थापित किया है जहां आटा, तेल, चावल और मसालों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण किया जाता है। इससे किसानों को बिचौलियों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है।

पर्यावरणीय पहल के तहत एक बायोगैस संयंत्र भी संचालित किया जा रहा है, जिससे सस्ते ईंधन की आपूर्ति हो रही है। इसके अलावा, प्रतिदिन करीब चार लाख लीटर दूषित जल का उपचार करने वाला संयंत्र भी स्थापित किया गया है।

सहकारी समिति ने ग्रामीणों के लिए जन सेवा केंद्र, जन औषधि केंद्र, एंबुलेंस सेवा और स्वास्थ्य शिविर जैसी सुविधाएं भी शुरू की हैं। साथ ही, संचालन को डिजिटल बनाकर पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाई गई है।

भविष्य में यह सहकारी समिति अनाज भंडारण, सौर ऊर्जा, बायो-सीएनजी और पराली प्रबंधन की परियोजनाओं पर काम करने की योजना बना रही है। इस समिति को ग्रामीण विकास एवं नवाचार के लिए नाबार्ड और एनसीडीसी सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

सटोरिया गतिविधियों की सक्रियता से अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली, (भाषा)।

सरसों, सोयाबीन जैसे प्रमुख तिलहनों में सटोरियों की सक्रियता बढ़ने के बीच कारोबारी धारणा प्रभावित होने से शनिवार को मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पाम तेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखी गई। सटोरियों द्वारा नीचे दाम पर खरीद के बाद दाम बढ़ाये जाने की वजह से सोयाबीन तिलहन तथा कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने के कारण बिनौला तेल में मजबूती रही। ऊंचे दाम पर कामकाज सुस्त रहने के बीच सरसों तेल-तिलहन स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि विगत एक सप्ताह में सोयाबीन के दाम 10-12 प्रतिशत टूट गए हैं। उसके बाद स्टॉकिस्ट के साथ सटोरिये सक्रिय हुए और उन्होंने सस्ते में खरीद की। बाद में उनके दाम बढ़ाकर बेचना शुरु किया गया जिससे सोयाबीन तिलहन में सुधार आया।

हालांकि बीती रात शिकागो एक्सचेंज कमजोर बंद होने, रुपया के मजबूत होने से सोयाबीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। रुपया के मजबूत होने और बाजार धारणा प्रभावित रहने की वजह से पाम-पामोलीन के दाम भी गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल में सुधार आया। जबकि सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सामान्य एवं सुस्त कामकाज के बीच सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः

सरसों तिलहन - 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली - 6,600-7,175 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,700 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 15,550 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2,580-2,680 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2,580-2,725 रुपये प्रति टिन। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,700 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,650 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,050 रुपये प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 13,800 रुपये प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 15,950 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,600 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 14,400 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 6,975-7,025 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल।

ताइवान टेक प्रदर्शनी में भारतीय कंपनियों की मौजूदगी, वैश्विक बाजारों में अवसर तलाशे..

ताइपे, (भाषा)।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता सहस्र और सॉफ्टवेयर कंपनी जोहो ने इस सप्ताह ताइपे में आयोजित प्रौद्योगिकी व्यापार प्रदर्शनी में अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन किया और विदेशी बाजारों में ग्राहकों तथा साझेदारी के अवसर तलाशे।

'कम्प्यूटेक्स 2026' प्रदर्शनी में 33 देशों के करीब 1,500 प्रदर्शकों ने 6,000 स्टॉल लगाए। इस प्रदर्शनी में भारत से कुछ कंपनियों ने भी भाग लिया, जबकि बड़ी संख्या में भारतीय खरीदार नए उत्पादों और कारोबारी अवसरों की तलाश में मौजूद रहे।

सहस्र समूह की कंपनी सहस्र इलेक्ट्रॉनिक्स ने प्रदर्शनी में अपने माइक्रो-एसडी कार्ड प्रदर्शित किए। कंपनी ने कहा कि उसे विभिन्न देशों के ग्राहकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

सहस्र के वरिष्ठ अधिकारी अंकुर द्विवेदी ने कहा, ÷हमारे ग्राहक चीन, अमेरिका, यूरोप और ब्रिटेन में हैं। यहां हम उनसे मिल रहे हैं और हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।÷

कंपनी ने कहा कि इस मंच का उपयोग नए ग्राहक, तकनीकी सहयोग और संभावित संयुक्त उपक्रमों के अवसर तलाशने के लिए किया गया।

इंटरनेट के जरिए इस्तेमाल होने वाले बिजनेस सॉफ्टवेयर एवं ऑनलाइन सेवाएं देने वाली कंपनी जोहो कॉरपोरेशन ने कहा कि ताइवान उसके लिए एक उभरता हुआ बाजार है और वहां डिजिटल क्षमता अपनाने की गति के कारण उसके उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

हांगकांग, दक्षिण कोरिया एवं ताइवान के लिए जोहो के विपणन प्रमुख एंग किट गोह ने कहा, ÷यहां पर जोहो के लिए काफी अच्छी संभावनाएं हैं। भारतीय सॉफ्टवेयर और तकनीकी विशेषज्ञता को लेकर स्थानीय ग्राहकों में भरोसा बढ़ा है।÷

प्रदर्शनी की आयोजक संस्था 'ताइवान एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट काउंसिल' के चेयरमैन जेम्स सी. एफ हुआंग ने कहा कि भविष्य में भारतीय कंपनियों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है और इस तरह के मंच कृत्रिम मेधा (एआई) एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देंगे।

विशेषज्ञों का कहना है कि सेमीकंडक्टर विनिर्माण, एआई अवसंरचना और इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में भारत-ताइवान सहयोग हाल के वर्षों में मजबूत हुआ है, जिसमें ताइवान तकनीकी विशेषज्ञता और विनिर्माण क्षमता प्रदान करता है, जबकि भारत बड़ा बाजार और कुशल कार्यबल उपलब्ध कराता है।

प्रदर्शकों के अलावा, बड़ी संख्या में भारतीय खरीदार भी नए उत्पादों और कारोबारी अवसरों की तलाश में इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

यह प्रदर्शनी शुक्रवार को समाप्त हुई। आयोजकों के अनुसार, इसमें 152 देशों और क्षेत्रों से 1.11 लाख से अधिक खरीदार और आगंतुक शामिल हुए। एनवीडिया, इंटेल, मार्वेल और क्वालकॉम जैसी कंपनियों ने प्रदर्शनी के दौरान अपने प्रमुख उत्पाद और नई पहल पेश कीं।

जग प्रेरणा
देश विदेश
● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मू कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

मोबाइल चोरी के शक में पिटाई से हुई युवक की मौत, ट्रेन से गिरफ्तार हुए 2 मुख्य आरोपी, 13 अन्य हिरासत में..

डेस्क जगप्रेरणा।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 23 साल के एक युवक की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, युवक पर मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप था, जिसके बाद उस पर हमला किया गया।

मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 2 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनके साथ ट्रेन में सफर कर रहे 13 अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है। मृतक की पहचान दीपक जायसवाल के रूप में हुई है, जो ठाणे के पोखरण रोड नंबर-2 स्थित गांधी नगर इलाके का रहने वाला था।

मोबाइल चोरी के शक में की थी पिटाई..

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे उपवन झील के पास उस पर हमला किया गया। आरोप है कि मोबाइल फेन चोरी के शक में कुछ लोगों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दीपक जायसवाल के बारे में स्थानीय लोगों की शिकायतें भी सामने आई थीं। बताया जा रहा है कि वह इलाके में लोगों को डराने-धमकाने और परेशान करने के लिए जाना जाता था। इसी वजह से कुछ लोगों के बीच उसके प्रति नाराजगी थी, जो बाद में हिंसक घटना में बदल गई।

भागने की कोशिश में पकड़े गए आरोपी..

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ क्राइम ब्रांच की यूनिट-5 (वागले एस्टेट) ने भी समानांतर जांच शुरू कर दी। क्राइम ब्रांच के सीनियर इंस्पेक्टर सलील भोसले ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें सूचना मिली कि मामले के मुख्य आरोपी राज्य से भागने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी के आधार पर यह पुष्टि हुई कि आरोपी गोरखपुर एक्सप्रेस से राज्य छोड़ने की तैयारी में थे। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने शुक्रवार शाम करीब 6:45 बजे कसारा रेलवे स्टेशन ले 2 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

वर्तक नगर थाने में दर्ज हुआ हत्या का केस..

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 28 साल के अजय देवकीलाल गिरी और 25 साल के शिवा संजय गोस्वामी के रूप में हुई है। दोनों उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों पर हमले में सीधे शामिल होने का आरोप है। इसके अलावा, ट्रेन में दोनों आरोपियों के साथ मौजूद 13 अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस फिलहाल पूरी घटना में उनकी भूमिका के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। इस मामले में वर्तक नगर पुलिस थाने में हत्या का केस दर्ज किया गया है।

कोटा में सोते हुए महंत की चाकू से गोद गोदकर हत्या
फरार हत्यारों की तलाश जारी..

डेस्क जगप्रेरणा।

कोटा शहर के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में चंद्रेसल मठ के महंत की अज्ञात बदमाशों ने देर रात चाकू से गोद गोदकर हत्या कर दी। बदमाशों ने सोते हुए महंत पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किया और मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने बताया कि इस हमले में चंद्रेसल गांव स्थित मठ में मायापुरी अखाड़े के 35 वर्षिया महंत देवानंद महाराज की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मौत की हर कड़ी को जोड़ा और मामले की जांच में जुट गई है। शव को एमबीएस हॉस्पिटल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया है।

कौन थे संत स्वामी देवानंद..

स्वामी देवानंद, रजवाना, तहसील, चौथ का बरवाड़ा, जिला सवाई माधोपुर के रहने वाले थे। पिछले चार साल से वे कोटा स्थित चंद्रेसल गांव स्थित मठ में रह रहे थे। हालाकी वह यहां नियमित नहीं रहते थे और यहां अक्सर आया जाया करते थे।

हत्या की वजह नहीं आई है सामने

कोटा देहात भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मुकुट नागर ने बताया कि रात के समय हथियारों से लेस अज्ञात बदमाश चंद्रेसल मठ में घुसे। उस दौरान पुजारी व महंत अपने-अपने कमरे में सो रहे थे। बदमाशों ने पुजारी के कमरे की बाहर से कुंडी लगा दी। फिर महंत के कमरे में गए और बदमाशों ने सोते हुए महंत पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। महंत के गर्दन व पीठ पर चाकू के घाव लगे है। फिलहाल हत्या के कारण सामने नहीं आए हैं।

कहां है चन्द्रेसल मठ

ये मठ कोटा शहर के चंद्रेसल गांव में है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार चन्द्रेसल मठ के पास सैकड़ों बीघा जमीन हैं, जो सरकार के माध्यम किसानों को खेती करने के लिए दी जाती हैं। मठ का करोडों रुपया भी जिला प्रशासन के पास रहता है। हाल ही में यहां पुरातत्व विभाग की ओर से विकास कार्य भी कराया जा रहा था, जिससे मठ का स्वरूप निखर गया है। यह मठ काफी प्राचीन है। यहां जगह-जगह शिवलिंग विराजमान है। चन्द्रेसल मठ की खुद की समिति बनी हुई है, साथ ही ट्रस्ट भी अपना काम करता है। महंत की हत्या से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें..

मो. 9329033433

पर्यावरण की रक्षा, भविष्य की सुरक्षा
महावीर इंटरनेशनल का वृक्षारोपण अभियान शुरू..

जगप्रेरणा लांजी।

महावीर इंटरनेशनल लांजी जिला बालाघाट म. प्र. महाकौशल जोन रीजन 9 के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को ग्रामीण क्षेत्रों में महावीर गोद ग्राम खुर्शीटोला, कुम्हारीखुर्द एवं ग्राम भानेगांव, घोटी, सुलसुली में पौधारोपण अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पूरे विश्व में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्कूलों एवं नागरिकों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता का संदेश का आयोजन किया गया। लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, जल संरक्षण करने एवं अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस वर्ष की थीम 'पर्यावरण की रक्षा, भविष्य की सुरक्षा' को ध्यान में रखते हुए , यदि हम आज पर्यावरण का संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को इसका गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा।

स्थानीय समाजसेवियों के सहयोग मार्गदर्शन से प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। साथ ही, स्वच्छता बनाए रखना और प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में उपस्थि रामकुमार खरगाल, परमेश्वर कुथे, विशाल नंदनवार, अरशद खान, धनेश दुरुगकर,ओमप्रकाश दवने, श्रीचंद कामड़े, नेहाल गौतम, डॉ दुर्गेश तिड़के, नंदकिशोर बिलावर, प्रमोद नखाते, इंद्र कुमार भुते, जगन्नाथ दादू नकतोडे, सुभाष उरखेड़े एवं स्थानीय ग्रामवासी सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

राफेल लड़ाकू विमानों को मिली नई 'सुपर ताकत', स्टेल्थ फाइटर जेट के भी उड़ेंगे परखच्चे..

डेस्क जगप्रेरणा।

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमान के लिए बनाई गई नई और आधुनिक **MICA NG** मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। खास बात यह है कि इस मिसाइल को पहली बार राफेल से बहुत तेज यानी सुपरसोनिक गति में दागा गया और यह स्टेल्थ फाइटर जेट्स को भी निशाना बना सकता है। इस सफल परीक्षण को राफेल की ताकत बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। मिसाइल बनाने वाली कंपनी **MBDA** के मुताबिक, **MICA NG** को भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

जून 2025 में किया गया था पहला परीक्षण..

कंपनी के मुताबिक, यह मिसाइल दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोन, स्टेल्थ फाइटर जेट और तेज रफ्तार क्रूज मिसाइलों को भी निशाना बना सकती है। स्टेल्थ विमान वे होते हैं जिन्हें रडार पर पकड़ना काफी मुश्किल होता है।

यह **MICA NG** का राफेल विमान से दूसरा परीक्षण था। पहला परीक्षण जून 2025 में किया गया था। इस बार इसे ऐसी स्थिति में परखा गया जब विमान ध्वनि की गति से भी ज्यादा तेज उड़ रहा था। इतनी तेज गति पर तापमान बहुत बढ़ जाता है, जिससे लक्ष्य को पहचानना मुश्किल हो जाता है।

गर्मी पहचानकर निशाना लगाती है मिसाइल..

परीक्षण के दौरान मिसाइल के इन्फ्रारेड सीकर की जांच की गई। यह तकनीक दुश्मन के विमान या मिसाइल से निकलने वाली गर्मी को पहचानकर उसे ट्रैक करती है। **MBDA** ने बताया कि परीक्षण में यह साबित हो गया कि बेहद कठिन परिस्थितियों और अधिक तापमान में भी यह प्रणाली सही तरीके से काम कर सकती है। कंपनी का कहना है कि यह मिसाइल फ्रांस की वायु सेना को भविष्य के खतरों से निपटने में मदद करेगी। इसके जरिए लड़ाकू विमान दुश्मन के विमानों को रोकने, हवाई लड़ाई लड़ने और अपनी सुरक्षा करने में ज्यादा सक्षम होंगे।

114 नए राफेल जेट खरीदना चाहता है भारत..

मिसाइल का एक दूसरा संस्करण जहाजों और जमीन पर महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस बीच भारत भी अपने राफेल बेड़े को और बड़ा करने की तैयारी कर रहा है। भारत ने हाल ही में फ्रांस को 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का प्रस्ताव भेजा है।

इस सौदे की अनुमानित कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है। प्रस्ताव के अनुसार 114 में से 94 राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। इन्हें फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन और एक भारतीय कंपनी मिलकर तैयार करेंगी।

पहली बार फ्रांस से बाहर बनाए जाएंगे राफेल!

अगर यह सौदा पूरा होता है तो पहली बार राफेल विमान फ्रांस के बाहर किसी दूसरे देश में बनाए जाएंगे। फिलहाल भारतीय वायुसेना और नौसेना 62 राफेल विमानों का ऑर्डर दे चुकी हैं। अगर 114 नए विमान भी शामिल हो जाते हैं तो भारत के पास कुल 176 राफेल विमान हो जाएंगे। वहीं भारतीय नौसेना भविष्य में 31 और राफेल विमान खरीदने की योजना पर भी काम कर रही है। भारत और फ्रांस इस सौदे को अगले एक साल के भीतर अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित फ्रांस दौरे के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

चंदौली में युवक की गोली मारकर हत्या, अलीगढ़ में महिला घायल..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में शनिवार को मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने 38 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि अलीगढ़ में एक अलग घटना में 45 वर्षीय महिला गोली लगने से घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। चंदौली में यह घटना अलीनगर थाना क्षेत्र में हुई।

मुगलसराय थाना क्षेत्र के चतुर्भुजपुर गांव निवासी मनोज कुमार अपराह्न करीब ढाई बजे पटपरा गांव के पास साइकिल से जा रहे थे। अलीनगर थाना प्रभारी घनश्याम शुक्ला ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने मोटरसाइकिल से आकर मनोज कुमार की कनपटी में गोली मारी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले की जांच के लिए विशेष अभियान दल (एसओजी) सहित पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। वहीं, अलीगढ़ में एक अन्य घटना में पुराने शहर क्षेत्र के नयरी चौराहे के पास मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने 45 वर्षीय एक महिला को गोली मारकर घायल कर दिया।

पुलिस के अनुसार यह घटना अपराह्न करीब दो बजे रोरावर थाना क्षेत्र में उस समय हुई जब पीड़िता रानी अपनी बेटी रिहाना के साथ काम पर जा रही थीं। पुलिस ने बताया कि नकाबपोश दो हमलावरों ने महिला को रास्ते में रोककर नजदीक से गोली चलाई और मोटरसाइकिल से फरार हो गए। यह घटना उनकी पुत्री ने देखी। घायल महिला को जिला मलखान सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बताया

कि उन्हें कूल्हे के पास गोली लगी है और उनकी स्थिति स्थिर है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान तथा गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

फिरोजपुर में पिकअप वाहन और ट्रक की टक्कर में नौ लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने शोक जताया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

पंजाब के फिरोजपुर में शनिवार को एक पिकअप वाहन की ट्रक से टक्कर हो जाने के कारण नौ लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी दुर्घटना फिरोजपुर-फाजिल्का सड़क पर जंगावाला मोड़ के पास हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पंजाब के फिरोजपुर जिले में हुई दुर्घटना के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

पुलिस के अनुसार, जलालाबाद से 32 लोग एक रिश्तेदार की अस्थियों को ब्यास नदी में विसर्जित करने के लिए अमृतसर के ब्यास जा रहे थे कि तभी उनके वाहन की ट्रक से टक्कर हो गई। इनमें से कई की मौके पर ही मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल लोगों को फिरोजपुर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. निखिल गुप्ता ने बताया कि गंभीर हालत वाले मरीजों को फरीदकोट स्थित गुरु गोबिंद सिंह सरकारी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। फिरोजपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भूपिंदर सिंह अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। सिंह ने कहा कि पुलिस दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। दुर्घटना में अंशप्रीत सिंह (12) को मामूली चोटें आई हैं। उसने बताया कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपनी दादी पूरू बाई (62) की अस्थियां विसर्जित करने जा रहा था। अंशप्रीत ने कहा, 'हम तड़के साढ़े तीन बजे निकले थे। सबकुछ सामान्य था और हम ईंधन भरवाने के लिए भी रुके थे। जैसे ही हम जंगावाला मोड़ के पास पहुंचे, हादसा हो गया।' मृतकों की पहचान करनैल सिंह, लक्ष्मी रानी, सुखविंदर कौर, भागो रानी, माया बाई, सुरिंदर सिंह, राजकुमार, दर्शन सिंह और विद्या रानी के रूप में हुई है।

जबलपुर में पत्नी का शव मिलने के एक दिन बाद पति ने की आत्महत्या..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में पत्नी का शव मिलने के एक दिन बाद व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि मयंक सिंह का शव वाहन फैक्टरी जबलपुर (वीएफजे) की एक खाली आवासीय इमारत में फंदे से लटका मिला। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को उसकी पत्नी नेहा सिंह का शव अधारताल थाना क्षेत्र स्थित उनके किराए के मकान में मिला था। अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने बताया कि नेहा और मयंक की शादी दिसंबर 2023 में हुई थी। नेहा के पहले पति की मृत्यु हो चुकी थी तथा उसके पहले विवाह से आठ वर्षीय पुत्र है। नेहा पिछले एक वर्ष से इंदौर में काम कर रही थी और 28 मई को जबलपुर लौटी थी।

उन्होंने बताया कि तीन जून की रात दंपति के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद नेहा लापता हो गई थी। ताम्रकार ने बताया कि शुक्रवार शाम मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी कि मकान बंद है और उसमें से दुर्गंध आ रही है। इसके बाद पुलिस की टीम ने मकान में प्रवेश किया, जहां नेहा का सड़ा-गला शव मिला। उन्होंने कहा, 'प्रारंभिक पोस्टमार्टम जांच में फांसी लगने से मौत होने की बात सामने आई है।

इसके बाद मयंक की तलाश शुरू की गई। वह शुक्रवार सुबह अपने आठ वर्षीय सौतेले बेटे को अपनी बहन के घर छोड़कर कहीं चला गया था।' पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार दोपहर रांझी थाना क्षेत्र से सूचना मिली कि वीएफजे की एक खाली इमारत में एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका हुआ मिला है, जिसकी पहचान मयंक सिंह के रूप में हुई। उन्होंने कहा कि मयंक के पास से एक कथित सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने पत्नी की मौत के लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया है। नोट में उसकी सास और साली के खिलाफभी आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आठ वर्षीय बालक ने पूछताछ में बताया कि घटना से पहले उसके माता-पिता के बीच विवाद हुआ था। अधिकारी ने बताया कि दोनों मामलों की जांच की जा रही है।

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा ग्रामीण
तिरोड़ा • गोरेगांव • आमगांव • सालेकसा • देवरी • मोरगांव अर्जुनी • तुमसर • साकोली • लाखांदूर

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
गणेश भदाड़े आमगांव
मो. 7745823591

गोंदिया जिले के सुनील शेंडे राज्य वूशु एसोसिएशन के सभासद नियुक्त..

जगप्रेरणा तिरोड़ा।

ऑल महाराष्ट्र वूशु एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी में गोंदिया जिले के वूशु प्रशिक्षक एवं जिला सचिव सुनील शेंडे को राज्य स्तरीय सभासद पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति पुणे स्थित गोक्रेज़ी रिसॉर्ट, सिंहगढ़ में आयोजित राज्यस्तरीय सेमिनार एवं बैठक के दौरान घोषित की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप खारडेकर तथा वूशु एसोसिएशन ऑफइंडिया के सहसचिव सोपान कटके के हाथों सुनील शेंडे का शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। सुनील शेंडे की नियुक्ति को तिरोड़ा एवं गोंदिया जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस उपलब्धि पर विधायक विजय रहांगडाले, नगराध्यक्ष अशोक असाटी, रमेशचंद्र झरारिया, उमाजी हारोडे, संजय नागपुरे सहित जिले के खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों एवं विभिन्न संगठनों ने उनका अभिनंदन किया।

लोधी समाज नेशनल टैलेंट सम्मान समारोह और महाधिवेशन 7 जून को

जगप्रेरणा आमगांव।

ऑल इंडिया लोधी, लोधा, लोध अधिकारी कर्मचारी संघ(ALOK) की ओर से नेशनल टैलेंट सम्मान समारोह और महाधिवेशन और प्रांतीय टैलेंट सम्मान समारोह और अधिवेशन 7 जून को सुबह 9 बजे महाराजा अग्रसेन भवन दुर्ग छत्तीसगढ़ में रखा गया है।

कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं में 90 प्रतिशत से ज़्यादा नंबर लाने वाले स्टूडेंट्स और नवोदय विद्यालय एंट्रेंस एग्जाम में एडमिशन पाने वाले स्टूडेंट्स, साल 2025-26 में रिटायर होने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और स्पोर्ट्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जाएगा। जबलपुर **GST** कमिश्नर लोकेश लिल्हारे मुख्य गाइड के तौर पर मौजूद रहेंगे। आलोक के नेशनल प्रेसिडेंट अनंतलाल दमाहे कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। एटा **MLA** विपिन वर्मा, दुर्ग लोकसभा सीट के पूर्व **MP** विजय बघेल, केंद्रीय मंत्री राजेंद्र यादव, खैरागढ़ **MLA** यशोदा वर्मा, लांजी **MLA** राजकुमार करहि, बालाघाट **MLA** अनुभा मुजारे, दुर्ग मेयर अलका बाघमार चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद रहेंगे।

आलोक महाराष्ट्र के स्टेट प्रेसिडेंट नरेंद्र लिल्हारे, कन्वीनर रोशन लिल्हारे, जनरल सेक्रेटरी ज्ञानीराम बनोठे, नेशनल सीनियर महिला वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती सुखवंता बनोठे, स्टेट मीडिया हेड राजकुमार बसोने, जोगेश्वर लिल्हारे, तोषलाल लिल्हारे, केवलचंद मछिरके, कृष्णकुमार गायगे, हेमंत मोहारे ने समाज के लोगों से बड़ी संख्या में प्रोग्राम में आने की अपील की है।

आमगांव नगरपरिषद सफाई के प्रति नही बरत रही गंभीरता

नही हो रही है निरंतर नाली सफाई..

सफाई नही होने से बदबु एंव बिमारी का खतरा बढ़ा..

जगप्रेरणा आमगांव।

नगरपरिषद प्रशासन के मानसून पुर्व काम आमतौर पर अप्रैल से मई के आखिर तक किए जाते हैं। लेकिन मई खत्म होने के साथ हो गया है एंव जुन माह शुरू हो चुका है

किंतु स्थानिक नगरपरिषद प्रशासन मानसुनपुर्व कामों को भूल गई है। मानसून के दौरान, बारिश के पानी की आसान निकासी के लिए नालियों से कचरा निकाला जाता है। लेकिन, आमगांव नगरपरिषद प्रशासन की लापरवाही के कारण, शहर के लोगों को मानसून के दौरान इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

आमगांव शहर में मेन रोड के किनारे की नालियों की सफाई जरूरी है। वार्ड की नालियों की भी सफाई जरूरी है। आमगांव नगरपरिषद प्रशासन एरिया में आठ गांव हैं, और इन आठ गांवों की नालियों में कई जगहों पर शहर के लोगों को कचरा जमा होने की समस्या का सामना करना पड़ेगा कुछ जगहों पर प्लास्टिक की थैलियां और कचरा जमा होता दिखता है।

कुछ नालियां जाम हैं। इस कारण, मानसून के दौरान नालियों का पानी सड़क पर आ जाता है, जिससे लोगों को परेशानी होती है। बारिश का पानी आसानी से बहे, सड़क पर न आए और संभावित बीमारियों से बचा जा सके, इसके लिए नगर परिषद प्रशासन को खास सावधानी बरतनी चाहिए। लेकिन आमगांव नगर परिषद का पूरा काम प्रशासनिक अधिकारी संभाल रहे हैं, और उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है। जून में बारिश शुरू होने से पहले सफाई के नाम पर सिर्फहाथ से सफाई की जा रही है इंद्रप्रस्थ नगर में मानसून से पहले कोई काम नहीं हुआ है। पानी निकालने के लिए सिर्फ एक नाला होने से मानसून के दौरान सड़क पर एक से डेढ़ फीट पानी जमा हो जाता है, नगर परिषद प्रशासन को मानसून से पहले पानी निकालने का इंतजाम करना चाहिए।

बोली पुष्पा सतीभस्के..

'नगर परिषद क्षेत्र के किसी भी गांव में अभी तक नाले की सफाई शुरू नहीं हुई है, इसलिए मानसून के दौरान शहर में पानी जमा होने की संभावना है।'

बोले प्रा.एन.जे. कथलेवार..

हमारे वार्ड में घरों का गंदा पानी सड़क के किनारे बहता है। नगर परिषद ने अभी तक गंदे पानी के निकलने का इंतजाम नहीं किया है। मानसून के दौरान हमारा वार्ड झील का रूप ले लेता है। हालांकि, नगर परिषद प्रशासन को पानी की निकासी का इंतजाम करना चाहिए।

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

फोरव्हिलर की चपेट मे आने से टु विलर चालक हुआ जख्मी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोरेगाव पुलिस थाना अंतर्गत वाहन अपघात का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 4/6/2026 के रात 10 बजे के दरम्यान हिरडामाली मे मुकेश शेंडे उम्र 50 वर्ष अपनी टु व्हिलर से गोंदिया आ रहे थे। जहा रास्ते मे स्विप्ट डिझायर क्र. सीजी 08 बी एच 2160 के चालक ने अपना वाहन लापरवाहीसे चलाकर मोटर सायकल को ठोस मारी जिसके चालक मुकेश शेंडे जख्मी हुवा आरोपी चालक घटनास्थल से फरार होने से फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे गोरेगांव मे अपराध क्रमांक 405/2026 धारा 281,125, अ,125, ब, भान्यास 2023 सहकलम 134, अ,134, ब,184, मोवाका सहकलम 65 ई,77, अ, मदाका के तहत मामला दर्ज कर जॉच पोहवा देव्हारे 684 पोस्टे गोरेगाव कर रहे है।

जियो टॉवर से केबल वायर चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 14/5/2026 के सुबह 8 बजे के दरम्यान कोसमतोंडी मे फर्यादी बलदेव देवराम राऊत उम्र 38 वर्ष निवासी मरामजोब ने अपनी साईड पर जाकर देखा तो कोसमतोंडी के जिओ टावर साईड आयडीआय एम एच एस डी डी ई एन बी 6001 साईट से काले रंग का आर आर एच पावर केबल 35 मीटर वायर किमत 10 हजार का माल अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे डुग्गीपार मे अपराध क्रमांक 271/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोना रविन्द्र रामटेके पोस्टे डुग्गीपार कर रहे है।

बेहोश मिले व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 5/6/2026 के 6 बजे के दरम्यान ढाकणी के परिसर मे प्रमोद चंद्रा नायक उम्र 45 वर्ष निवासी मधुरछुवा घटना स्थल पर बेहोशी की हालत मे मिले तुरंत 108 अम्बुलेंस बुलाकर उन्हे केटीएस अस्पताल ले गये जहां डाक्टर ने जाँच कर मृत घोषित करने से फर्यादी सपोनी वैभव मुकरू गेडाम पोस्टे गोंदिया शहर की शिकायत पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 30/2025 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाँच पोना जनबंधु पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

शेर के हमले मे युवक की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 5/6/2026 के सुबह 9 बजे के दरम्यान कलपाथरी जंगल मे दुलेश्वर संतोष खरकाटे उम्र 30 वर्ष निवासी कलपाथरी अपनी बकरी के लिये चारा लाने जंगल गया था। वहा अचानक बाघ ने हल्ला करने से उसकी मौत हो गई। फर्यादी के बयान पर पोस्टे गोरेगांव मे अकस्मात मौत क्रमांक 18/ 2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाँच पोहवा तुमडाम पोस्टे गोरेगांव कर रहे है।

भीषण गर्मी में बिजली की आँख मिचौली से जनता त्रस्त

रात-दिन कटी रही बत्ती..

पानी की किल्लत और रतजगे से बेहाल हुए नागरिक, विभाग मौन..

तापमान 45 डिग्री के पार, अघोषित कटौती ने छीनी लोगों की सुध-बूध..

गणेश भदाडे जगप्रेरणा आमगांव।

क्षेत्र में इन दिनों सूरज की तपिश और लू के थपेड़ों से पारा रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। इस भीषण गर्मी के बीच बिजली की लगातार जारी आँख मिचौली ने आम जनता की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है।

पिछले कुछ दिनों से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में अघोषित बिजली कटौती का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिन के समय उमस और तेज धूप में बिजली गुल होने से लोगों का घरों में बैठना दूभर हो गया है।

वहीं, रात के समय होने वाली कटौती के कारण लोग पूरी-पूरी रात सोने को तरस रहे हैं। बिजली न रहने से पानी की मोटरें नहीं चल पा रही हैं, जिससे कई इलाकों में पीने के पानी का गंभीर संकट भी खड़ा हो गया है।

व्यापार और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित..

बिजली की इस लुकाछिपी का सीधा असर स्थानीय दुकानदारों, छोटे उद्योगों और छात्रों पर पड़ रहा है। लगातार हो रही ट्रिपिंग के कारण घरों के कीमती इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (जैसे फ्रिज, एसी, कूलर) फुंक रहे हैं। इन्वर्टर भी चंद घंटों में जवाब दे रहे हैं।

जनता में आक्रोश, विभाग के पास बहाने..

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बिजली विभाग को बार-बार शिकायत करने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। जब भी बिजली दफ्तर में फोन किया जाता है, तो 'लोकल फॉल्ट' या 'ओवरलोडिंग' का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लिया जाता है। जनता का आरोप है कि विभाग बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों कटौती कर रहा है, इसकी जानकारी हेतु विभाग के अधिकारी से फोन द्वारा संपर्क करने पर कोई उचित जवाब नही मिल सका।

बोले उत्तम नंदेश्वर..

'गर्मी के कारण दिन में घर से निकलना मुश्किल है और रात को बिजली विभाग सोने नहीं देता। बच्चे और बुजुर्ग इस उमस भरी गर्मी में बीमार पड़ रहे हैं।'

मेरिटोरियस स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस वृक्षारोपण कर मनाया गया..

जगप्रेरणा तिरोडा।

स्थानीय मेरिटोरियस स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में 5 वृक्षों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थितो द्वारा पर्यावरण जागरूकता की शपथ लेकर की गई। इसके पश्चात इको क्लब के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, वृक्ष संवर्धन तथा सतत (शाश्वत) जीवनशैली के महत्व पर जानकारी दी गई। 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0'अभियान के अंतर्गत चालू शैक्षणिक वर्ष में प्रत्येक विद्यार्थी अपने जन्मदिन के अवसर पर एक पेड़ लगाए, इस विषय में मार्गदर्शन किया गया तथा इसे विद्यालय स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने का निर्णय लिया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य प्रफुल तिवारी, इको फ्रेंड्ड संयोजक विक्रांत सहित शिक्षकगण प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

एक पेड़ पर्यावरण की रक्षा के लिए..

जिला परिषद स्कूल कहाली मे कार्यरत शिक्षक सुरेश वाघाडे ने अपने जन्मदिन के अवसर पे पर्यावरण की रक्षा करने की प्रेरणा लेते हुए वृक्षारोपण किया इस अवसर पर गाव के सरपंच, शिक्षक, नागरिक एव विद्यार्थी उपस्थित थे।

छाया=राकेश रोकडे

सिपीआई ने की 26 जून से ही स्कूल शुरू करने की मांग की

जगप्रेरणा गोंदिया।

वार्षिक शिक्षा कैलेंडर के मुताबिक विदर्भ संभाग मे 26 जून से ही पाठशालाये शुरू होने चाहिए और राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा 15 जून से ही पाठशालाये शुरू

करने का तुगलकी फर्मान आदेश रद्द कर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने 26 जून से शुरू करने की मांग की है। इस विषय पर पार्टी के जिला सचिव कॉ. मिलिंद गणवीर ने स्कूली शिक्षा मंत्री और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेषित निवेदन में कहा है कि हर साल विदर्भ संभाग में भयंकर तापमान की स्थिती के कारण ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात विदर्भ मे 26 जून से ही पाठशालाये शुरू होते थी तथा बाकी विभागो मे 15 जून से स्कूल शुरू हो रहे थे लेकिन इस शैक्षणिक सत्र मे विदर्भ मे भी 40 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा तापमान की स्थिति और छात्रों के स्वास्थ्य पर इसके बुरे असर को नज़रअंदाज़ करते हुए शिक्षा विभाग ने संपूर्ण महाराष्ट्र में 15 जून से स्कूल खोलने का आदेश को तुरंत रद्द करने की मांग भारतीय कम्युनिस्ट पार्टीके कॉ. मिलिंद गणवीर एवंम अभिभावक वर्ग ने की हैं।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा
तिरोड़ा • गोरेगांव • आमगांव • सालेकसा • देवरी • मोरगांव अर्जुनी • तुमसर • साकोली • लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

मराठा समाज गोंदिया द्वारा श्री शिवराज्य अभिषेक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज को आराध्य मानने वाले मराठा समाज द्वारा आज 06 जून 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज का शिवराज्य अभिषेक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया।

शिव छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस के अवसर पर मनोहर चौक स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा स्थल पर मराठा समाज के शिवभक्तों ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन किया और प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन वंदन कर छत्रपति शिवाजी महाराज का अभिवादन कियाा।

मराठा समाज के राजेंद्र जगताप और किशोर शेलके ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में प्रकाश डाला और शिवराज्य अभिषेक दिवस की गाथा भी सुनाई। इस अवसर पर देख रेख समिति के अध्यक्ष राजेंद्र जगताप, मराठा समाज के सचिव दीपक कदम, देखरेख समिति के उपाध्यक्ष संतोष जाधव, अनिल काले, राजा कदम, आलोक पवार, संतोष सुरसे, शाम घाटे, राजेश बढ़े, मोहन काले, अविनाश पवार, प्रतीक कदम, सागर कदम, तनुज घाटे, अभिषेक जाधव, विशेष रूप से अमरावती के महापौर किशोर शेलके, दवनडे साहेब और अनूप मानिकपुरी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दीपक कदम ने किया और आभार संतोष जाधव ने माना।

बार काउंसिल चुनाव 2026 में एड. पारिजात पांडे ने रचा इतिहास, प्रथम वरीयता के 3726 वोट पाकर बने 'नंबर वन'

गोंदिया के अधिवक्ता परिवार ने दी बधाईयां..

जगप्रेरणा गोंदिया।

बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा के चुनाव 2026 में एडवोकेट पारिजात पांडे (96) ने एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत दर्ज की है। उन्होंने न केवल इस चुनाव में जीत हासिल की, बल्कि प्रथम वरीयता के मतों की गिनती में 3726 वोट हासिल कर पूरी मततालिका में 'नंबर वन' (शीर्ष) स्थान प्राप्त किया है।

गौरतलब है कि बार काउंसिल के इतिहास में यह एक दुर्लभ और ऐतिहासिक क्षण है। इससे पहले साल 2004 के बार काउंसिल चुनाव में आदरणीय एडवोकेट श्री अनिरुद्ध चौबे सर ने प्रथम वरीयता के वोटों का कोटा पूरा कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उसके ठीक 22 साल बाद, अब 2026 में एडवोकेट पारिजात पांडे ने प्रथम वरीयता के वोटों का कोटा सीधे तौर पर पूरा कर उसी गौरवशाली इतिहास को दोहराया है।

सावंतवाड़ी से गोंदिया और दीव-दमन से सिरोंचा तक चला 'पांडे लहर' का जादू..

गौरतलब है कि एडवोकेट पारिजात पांडे को मिला यह जनसमर्थन भौगोलिक सीमाओं को पार कर गया है। महाराष्ट्र के सभी 36 जिलों के लगभग 144 से अधिक तालुकों के साथ-साथ गोवा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश दीव-दमन और दादरा-नगर हवेली के वकीलों ने भी उनके पक्ष में एकतरफा मतदान किया। सीधे शब्दों में कहें तो दीव-दमन से लेकर गढ़चिरौली के सुदूर सिरोंचा तक और सावंतवाड़ी से लेकर गोंदिया तक, हर क्षेत्र के अधिवक्ताओं ने एडवोकेट पारिजात पांडे के नेतृत्व पर अपना अटूट विश्वास

वकील समुदाय में जश्न का माहौल

इस धमाकेदार और रिकॉर्ड तोड़ जीत के बाद महाराष्ट्र, गोवा और दीव-दमन के कानूनी गलियारों और वकील संगठनों में भारी उत्साह और जश्न का माहौल है। अधिवक्ताओं का कहना है कि एडवोकेट पारिजात पांडे की यह जीत उनके जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों, मिलनसार स्वभाव और वकीलों के कल्याण के लिए उनके समर्पण की जीत है। इस ऐतिहासिक और शानदार विजय के लिए एडवोकेट पारिजात पांडे सर को पूरे अधिवक्ता परिवार और शुभचिंतकों की ओर से हार्दिक बधाई और उनके आगामी कार्यकाल के लिए अधिवक्ता वसंत चुटे, कैलाश बजाज, भूषण मस्करे, महेश चांदवानी, प्रकाश टोलानी, अनीता दास, सरिता कुलकर्णी, संदीप खाटे, धोंमणे, शुभम अगाशे, सचिन बंसोड़, पारस थेर, सुरेश राठौर एवं चतुर्वेदी ने भी श्री पारिजात पांडे को चुनाव में उनकी शानदार एवं उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

भ्रष्टाचार मुक्त और तीव्र विकासयुक्त भारत के लिये

अब भारत में प्रधानमंती और मुख्यमंतियों के चुनाव सीधे जनता द्वारा होने चाहिये.. छैलबिहारी अग्रवाल

अप्रत्यक्ष प्रणाली से सर्वोच्च पद पर आसीन होने वाले होते है प्रत्यक्ष प्रणाली के धुरंधरों के आगे मजबूर.. बोले छैलबिहारी अग्रवाल

जगप्रेरणा गोंदिया।

आजादी के बाद लोकतंत्र की स्थापना के उपरांत भारत धीरे धीरे भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी, अन्याय, अत्याचार, सांप्रदायिक उन्माद के मकड़जाल में फंसकर धंसता और बर्बाद होता जा रहा है। आज भारत की विकास की रफ्तार जहां अन्य विकसित देशों से बहुत पीछे हैं, वहीं भारत की अर्थव्यस्था का यह हाल है कि विदेशी बैंकों का यह देश कर्जदार बना हुआ है। देश पर हर सरकार में

कर्ज लगातार बढ़ता चला जा रहा है, जबकि कांग्रेस सरकार को हटाने के बाद भाजपा, आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, तृणमुल कांग्रेस आदि जितने भी दलों की राज्यों और केन्द्र में सरकार बनी, लेकिन देश में बदलाव नहीं आ पाता, आखिरकार क्यों सभी सरकारें विफल हो रही है, और यह सरकारें वोट बैंक की राजनीति के माध्यम से देश को और अधिक गर्त में ले जाने का काम कर रही है, तो उसका कारण ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरी और चुनावी प्रणाली है, जिस पर मंथन करते हुए अब थोड़े से बदलाव करते हुए आगे बढ़ने की जरुरत है, यह बात गोंदिया के वरिष्ठ समाजसेवी, राष्ट्रचिंतक व विदर्भवादी नेता छैलबिहारी अग्रवाल ने कही है।

छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह से हमारे देश में विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव में विधायकों और सांसदों का चुनाव जनता द्वारा होता है, वैसे ही प्रधानमंती और मुख्यमंती का चुनाव भी जनता द्वारा होना चाहिये। आम जनता द्वारा जब प्रधानमंती और मुख्यमंती चुने जाएंगे तो उनकी कार्यप्रणाली की निर्भरता विधायकों और सांसदों के आगे मजबूर होकर कार्य करने वाली नहीं होगी, बल्कि जनता की ताकत के भरोसे सर्वोच्च पदों पर ऐसे निर्णय होंगे, जिससे देश की न्याय पालिका, विधायिका और कार्यपालिका सभी का नियंतण एक हाथ में होगा, और उस एक हाथ का नियंतण प्रत्यक्ष जनता के हाथ में होने से कोई भी प्रधानमंती, मुख्यमंती प्रत्यक्ष प्रणाली के धुरंधरों विधायकों और सांसदों के आगे मजबूर नहीं होंगे।

यह भी बोले छैलबिहारी अग्रवाल..

छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि यदि सीधे जनता द्वारा प्रधानमंती और मुख्यमंती चुने जाएंगे तो जो सशक्त नेतृत्व जनता की ताकत से पदासीन होगा, उसके निर्णय लेने की क्षमता से भारत को भी अमेरिका जैसा समृद्ध देश बनने में समय नहीं लगेगा, बल्कि भारत की विकास की रफ्तार दुनिया में सबसे तेज होगी, क्योंकि भारत भले ही भौगोलिक दृष्टिकोण से विश्व का सबसे बड़ा देश नहीं है, लेकिन भारत के पास मैन पावर है, भारत की जनसंख्या। जिस भारत देश की जनसंख्या को भारत की उन्नति में बाधक बनाया जाता है, वही भारत की उन्नति का सबसे बड़ा कारण भी बन सकती है, बस हमें हमारे देश की चुनाव प्रणाली में थोड़ा सा परिवर्तन करके प्रधानमंती और मुख्यमंतीयों का चुनाव सीधे जनता द्वारा किये जाने की प्रणाली लागु करना होगा।

आखिरकार क्यों नही हो रहे आवश्यक बदलाव..

छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि आज भारत का कोई भी प्रधानमंती या मुख्यमंती विधायकों और सांसदों को दिया जाने वाला वेतन घटा तक नहीं सकता, ना ही सांसदों विधायकों की सुविधाओं में भी कटौती नहीं कर सकता। इसी तरह से प्रशासनिक व्यवस्थाओं में भी विधायकों और सांसदों को लाभ पहुंचाने वाले प्रशासनिक अधिकारियों को जिलों में पदस्थ किया जाता है, चुनावी खर्च में मददगार बनने वाले उद्योगपतियों के लाभ को भी सुनिश्चित करने की जवाबदारी अप्रत्यक्ष रुप से प्रधानमंती और मुख्यमंती के कांधों पर होती है, तो इसका सबसे बड़ा कारण है क्योंकि प्रधानमंती और मुख्यमंतीयों को अपनी कुर्सी की चिंता करते हुए आम जनता से अधिक सांसदों, विधायकों, सहयोगी उद्योगपतियों की परवाह करने के लिये मजबूर होना पड़ता है।

स्थानीय चुनावो का भी दिया उदाहरण..

छैलबिहारी अग्रवाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब नगर पालिकाओं में अध्यक्ष का चुनाव आम जनता के वोट से होता है, तो आम जनता के हितों की प्रत्यक्ष परवाह की जिम्मेदारी नगर पालिका अध्यक्ष पद पर होती है, जिससे अध्यक्षों की कार्यप्रणाली पार्षदों की मर्जी पर नहीं बल्कि जनता के हितों की परवाह करने वाली होती है, लेकिन वहीं हम देखते हैं कि जब पंचायती राज्य या नगर पालिकाओं में पार्षदों के वोट से अध्यक्षों का चुनाव होता है, तो अध्यक्ष बहुमत को बनाये रखने के लिये पार्षदों की कठपुतली बनकर कार्य करने के लिये मजबूर होते हैं। छोटी सी नगर पालिका जब भ्रष्टाचार का गढ़ बन जाती है, तो फिर देश की संसद और विधानसभा को कैसे कठपुतली बनने के लिये मजबूर नहीं होना पड़ेगा।

हम चलाएंगे पत्न और हस्ताक्षर अभियान..

छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त और विकासयुक्त भारत के निर्माण के लिये वे अब हस्ताक्षर अभियान और पताचार अभियान चलाएंगे। इस अभियान की शुरुआत वे जल्द ही अपने शहर गोंदिया से करेंगे, और प्रतिदिन वे आम नागरिकों से देश में प्रधानमंती और मुख्यमंती का चुनाव जनता द्वारा किये जाने के लिये हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत करेंगे, इसी के साथ वे विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से पताचार अभियान का भी शुभारंभ करेंगे, और देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से चुनाव प्रणाली में संशोधन की मांग करेंगे।

सहयोग हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक हुई मेसेंट्रिक आर्टरी एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंटिंग..

जगप्रेरणा गोंदिया।

सहयोग हॉस्पिटल में हाल ही में एक अत्यंत गंभीर एवं जटिल बीमारी से पीड़ित मरीज का सफलतापूर्वक मेसेंट्रिक आर्टरी एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंटिंग द्वारा उपचार किया गया। इस सफल उपचार से मरीज को बड़े ऑपरेशन तथा जान के खतरे से बचाया गया। कुछ दिनों पहले एक मरीज पेट दर्द एवं पेट में

सूजन की समस्या लेकर अस्पताल पहुंचा। मरीज ने बताया कि वह लंबे समय से लगातार पेट दर्द और पेट फूलने की समस्या से परेशान था। अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. बिसेन ने मरीज की विस्तृत जांच कर उसे सीटी स्कैन कराने की सलाह दी। सीटी स्कैन रिपोर्ट में पता चला कि मरीज की बड़ी एवं छोटी आंतों तक रक्त पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण नसों में खून का थक्का जम गया है, जिसके कारण आंतों तक रक्त प्रवाह बाधित हो रहा था।

इसी वजह से मरीज को लगातार पेट दर्द एवं सूजन की समस्या हो रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मरीज को तुरंत अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. शश्वत सोनटक्के से परामर्श लेने की सलाह दी गई। रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद डॉ. शश्वत सोनटक्के ने मरीज की एंजियोग्राफी कराने की सलाह दी। जांच में यह सामने आया कि मरीज की आंतों को रक्त पहुंचाने वाली दोनों प्रमुख धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज एवं खून के थक्के जमा हुए हैं।

सामान्यतः ऐसी स्थिति में मरीज का बड़ा ऑपरेशन करना पड़ता है, जिसमें आंत के प्रभावित हिस्से को निकालना पड़ सकता है तथा मरीज की जान को भी गंभीर खतरा रहता है। लेकिन डॉ. शश्वत सोनटक्के के अनुभव एवं सटीक निदान के आधार पर मरीज को मेसेंट्रिक आर्टरी एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंटिंग प्रक्रिया की सलाह दी गई, जिसके माध्यम से बिना बड़े ऑपरेशन के बंद नसों को खोला जा सकता था। मरीज एवं उसके परिजनों को पूरी प्रक्रिया की जानकारी देकर उनकी सहमति से यह उपचार किया गया, जो पूर्णतः सफल रहा। इस प्रक्रिया में बंद धमनियों में स्टेंट डालकर रक्त प्रवाह को पुनः सामान्य किया गया। उपचार के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ है तथा अब उसे किसी प्रकार का खतरा नहीं है। इस अवसर पर डॉ. शश्वत सोनटक्के ने बताया कि लंबे समय तक पेट दर्द या पेट में सूजन बने रहना किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है।

ऐसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए तथा समय रहते डॉक्टर की सलाह एवं आवश्यक जांच अवश्य करानी चाहिए। मरीज एवं उसके परिजनों ने सहयोग हॉस्पिटल, डॉ. बिसेन एवं डॉ. शश्वत सोनटक्के का आभार व्यक्त किया। सहयोग हॉस्पिटल में अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, 24×7 डॉक्टरों की उपलब्धता तथा अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से उपचार प्रदान किया जाता है, जिससे स्थानीय मरीजों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं अपने शहर में ही मिल रही हैं। इस अवसर पर डॉ. सौरभ वर्धानी ने बताया कि अब जटिल से जटिल ऑपरेशन भी सहयोग हॉस्पिटल में सफ्लतापूर्वक किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र के मरीजों को बेहतर एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो रही है।

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

गोंदिया शहर में दैनिक जगप्रेरणा की प्राप्ति हेतु संपर्क करें..
वैचारिक क्रांति का रचनात्मक उद्घोष
जग प्रेरणा
चौरसिया पान सेंटर
जय स्तंभ चौक बस स्टॉप, गोंदिया
मो. 08806083231

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र
• कमर का दर्द • घुटनों का दर्द
• पिठ का दर्द • गर्दन व कंधों का दर्द
• आमवात, गठीया वात एवं सायटिका
• अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
• शास्त्रशुध्द एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मीत औषधियों का प्रयोग
• रोगी एवं व्याधी अनुरुप पंचकर्म सुविधा
डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET) ■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI) ■ शुक्राणु बैंक सुविधा
■ (IUI) आय.यू.आय. ■ सोनोग्राफी
■ अधिक उम्र में मातृत्व ■ हार्मोस की जांच
■ ओव्हम डोनेशन द्वारा ■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना ■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलूम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com